इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

धमाका
ई रिक्शा के क्षेत्र में आलफाईन लाए है...
SINE WAYE TECHNOLOGY से
प्रति चार्जिंग 200 KM चलने वाला
भारत का पहला ई-रिक्शा
7 वर्षो से ई रिक्शा बैटरी, स्पेयर्स पार्ट्स एवं बेहतरीन गुणवत्ता के लिए.....

गणेश ट्रेडिंग, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव, 70004 70280
★ नंदई मोहारा रोड़ 7999898741 ★ खैरागढ़ (धमधा रोड़) 9425500166

वर्ष- 43 अंक -198 राजनांदगांव, बुधवार 05 जून 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

राजग को लगातार तीसरी बार बहुमत

इंडिया ने भाजपा को अपने दम पर बहुमत हासिल करने से रोका

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के इंडिया समूह की कड़ी चुनौती और अप्रत्याशित प्रदर्शन के चलते भाजपा अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही है।

लोकसभा चुनाव की मंगलवार को हुई मतगणना में राजग को 290 से अधिक सीटें मिलती दिख रही हैं जबकि इंडिया समूह 230 से अधिक सीट पर जीत दर्ज कर रहा है। मतगणना के परिणामों और रूझानों में भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी और कांग्रेस 99 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। वर्ष 2014 के चुनाव के बाद देश में एक बार फिर गठबंधन सरकार की राजनीति वापस लौट रही है जिसमें राजग के घटक दलों तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल यू और शिव सेना की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे अपने पुराने गढों में तगड़ा झटका लगा है जबकि पार्टी ओड़िशा में ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए लोकसभा की अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज करने के साथ साथ राज्य विधानसभा में भी जीत के साथ पहली बार अपनी सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच गयी है। पार्टी ने केरल में पहली बार एक सीट के साथ अपना खाता खोला है और नवगठित तेलंगाना में वह सत्तारूढ़ कांग्रेस को कांटे की टक्कर देते हुए बराबर की सीट जीतती नजर आ रही है। इंडिया समूह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को अप्रत्याशित झटका देते हुए उसे दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। राज्य में समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। पिछले चुनाव में राज्य की 80 में से 62 सीट जीतने वाली भाजपा इस बार 33 सीट पर सिमटती नजर आयी। कांग्रेस को राज्य में अपनी परंपरागत सीटों रायबरेली और अमेठी सहित छह सीट पर सफलता मिल रही है। राज्य में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने वाली बहुजन समाज पार्टी का खाता खुलता नहीं दिख रहा। लोकसभा चुनाव में राजग गठबंधन ने इस बार मोदी के करिश्मे के अलावा राममंदिर, धारा 370 , बुनियादी ढांचा विकास और उच्च आर्थिक वृद्धि दर के साथ साथ विपक्षी दलों की तुष्टिकरण की राजनीति के मुद्दों पर चुनाव लड़ा जबकि इंडिया समूह ने 'संविधान को बचाने', महंगाई, बेरोजगारी और जातिगत जनगणना को मुख्य मुद्दा बनाकर प्रचार किया था।

भाजपा ने इन चुनाव में अब की बार 400 पार का नारा देने के साथ ओड़िशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और तेलंगाना जैसे नये राज्यों में पैर पसारने की जी तोड़ कोशिश की। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने तमाम पूर्वानुमानों को गलत साबित करते हुए अपना किला बरकरार रखा और 42 में से 29 सीटों पर सफलता हासिल की। भाजपा राज्य में 2019 का प्रदर्शन दोहराने में असफल रही और वह केवल 12 सीटों पर सिमटती नजर आयी।

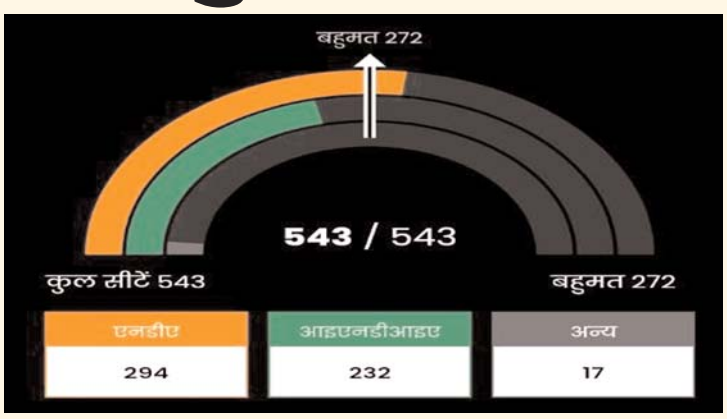

गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड भाजपा के भरोसे के राज्य बने हुए हैं और इनमें अधिकांश सीटों पर पार्टी का कब्जा बरकरार दिखाई दे रहा है। कांग्रेस ने केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) के अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर राज्य में सत्तारूढ वामपंथी लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) को फिर शिकस्त दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने में कामयाब रहे। राज्य की त्रिशूर सीट पर भाजपा ने कब्जा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजग की लगातार तीसरी जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिये देश की जनता के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये नयी ताकत से काम करेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने इन चुनाव परिणामों को मोदी की नैतिक हार बताया है और कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी की दो पदयात्राओं का कांग्रेस को लाभ मिला है।

तमिलनाडु में सत्तारूढ द्रमुक पार्टी अपनी पकड़ बनाये हुए है जबकि आंध्र प्रदेश में एन चंद्रबाबू नायडू की तेदेपा ने जोरदार उलटफेर करते हुए सत्तारूढ वाई एस आर कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया है। महाराष्ट्र में भाजपा और उसके सहयोगी दलों शिव सेना और राकांपा का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा जबकि विपक्षी इंडिया समूह के दलों ने आशा के विपरीत (शेष पृष्ठ 6 पर...)

RSS से दूरी भाजपा को पड़ी भारी

नई दिल्ली। संघ और भाजपा का चोली दामन का साथ रहा है। माना जाता रहा है कि भाजपा की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने मे भी संघ की भूमिका होती है। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव में दोनों दूर दूर रहे। बल्कि यूं कहा जा सकता है कि भाजपा ने संघ का सहयोग मांगा ही नहीं। पूरे देश में फैले और आम लोगों के बीच सामाजिक व संपर्क कार्यों में लगे आरएसएस के प्रचारक और स्वयंसेवक चुनाव प्रक्रिया के दौरान पूरी तरह से निष्क्रिय दिखे।

400 पार का लक्ष्य नहीं हुआ पूरा

इसके पहले 2004 के लोकसभा चुनाव में आरएसएस के स्वयंसेवकों की ऐसी निष्क्रियता दिखी थी, जिसके परिणामस्वरूप इंडिया शाइनिंग के नारे के बावजूद भाजपा को सत्ता से बाहर होना पड़ा था। आरएसएस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के प्रति स्वयंसेवकों में कोई नाराजगी नहीं है, लेकिन भाजपा ने इस बार संघ के सहयोग के बिना ही अबकी बार, 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने का फैसला किया।

'भारत के लोकतंत्र की जीत', पीएम ने चंद्रबाबू नायडू-नीतीश कुमार की तारीफ की

नई दिल्ली लोकसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए को झटका लगा है और चार सौ पार का नारा देने वाला एनडीए 300 पार के लिए तरस गया है। अभी तक के रुझानों से स्पष्ट है कि देश में गठबंधन की सरकार बनेगी। भाजपा को उत्तर प्रदेश और बंगाल जैसे राज्यों में काफी नुकसान झेलना पड़ा, साथ ही महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा है। कांग्रेस ने इसे जनता की जीत बताया।

एनडीए सरकार जोर भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने पर रहेगा- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा 'तीसरे कार्यकाल में एनडीए सरकार का बहुत ज्यादा जोर हर तरह के भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने का होगा। भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए हमेशा से दल से बड़ा देश रहा है।

सेवा भाव से बड़ी राजनीति कोई नहीं हो सकती। इसलिए हमें सेवाभाव को सर्वोपरि रखने को निरंतर मजबूत रखना है। भाजपा के कार्यकर्ताओं को जनआकांक्षाओं, जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करना है। जरूरी है कि समाज के हर वर्ग से और हर व्यक्ति से निरंतर संवाद करते रहें।

देश की कोटि-कोटि माताओं बहनों ने मुझे नई प्रेरणा दी- पीएम मोदी

पीएम ने कहा 'देश की कोटि-कोटि माताओं बहनों ने मुझे नई प्रेरणा दी है। पिछले 10 साल में देश ने बहुत बड़े फैसले लिए। राष्ट्रप्रथम की भावना हमें असामान्य लक्ष्य हासिल करने का हौसला देती है।'

आप एक कदम चलेंगे, मैं चार कदम चलूंगा- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा देश के कोने-कोने में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं को कहूंगा कि आपकी मेहनत इतनी गर्मी में आपका बहाया पसीना ये मोदी को निरंतर काम करने की प्रेरणा देता है। मैं देशवासियों से दोबारा दोहराना चाहता हूं कि 10 घंटे काम करेंगे तो मोदी 18 घंटे काम करेगा। आप एक कदम चलेंगे, मोदी चार कदम चलेगा। तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा। ये मोदी की गारंटी है।'

पीएम मोदी ने चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार का नाम लिया

पीएम मोदी ने कहा आंध्रप्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। बिहार में नीतीश बाबू के नेतृत्व में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। दोस्तों 10 साल पहले देश ने हमें जनादेश दिया था। 2013-14 में देश एक निराशा की गर्त में डूब चुका था। हर दिन अखबारों की हेडलाइन ऐसी ही होती थीं। ऐसे समय में देश ने हमें निराशा के गहरे सागर से आशा के मोती निकालने का जिम्मा सौंपा था।

आने वाला समय भारत का समय है- पीएम मोदी

मोदी ने कहा 'हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक गरीबी देश के अतीत का हिस्सा न हो जाए। अब देश सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में और काम करेगा। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक देश का रक्षा सेक्टर आत्मनिर्भर नहीं बन जाता। हम युवाओं को हर क्षेत्र में सशक्त करेंगे। किसानों के लिए बीज से बाजार तक आधुनिक रीतियों को बनाने का काम प्राथमिकता पर होगा। हम हमारे किसानों को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम करते रहेंगे। आने वाला समय भारत का समय है।'

देश के इतिहास में महिलाओं द्वारा दिए गए वोटों से रिकॉर्ड टूट गया- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा देश के इतिहास में महिलाओं द्वारा दिए गए वोटों से रिकॉर्ड टूट गया। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ममता बनर्जी ने भाजपा पर साधा निशाना, बताया- अत्याचार की हार हुई है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा पर निशाना साधा . ममता बनर्जी ने कहा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कहा कि मोदी जी की विश्वसनीयता घटी है और मोदी जी को अपने दम पर बहुमत नहीं.

आगे उन्होंने ने कहा कि लोकसभा चुनाव की मतगणना जारी है और चुनाव के नतीजे धीरे-धीरे साफ होने लगे हैं. इसी बीच बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने 30 सीटों पर बढ़त हासिल की है, वहीं भाजपा और अन्य ने 11 और कांग्रेस ने 1 पर बढ़त बनाई है. इसी दौरा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा पर निशाना साधा। ममता बनर्जी ने कहा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कहा कि मोदी जी की विश्वसनीयता घटी है और मोदी जी को अपने दम पर बहुमत नहीं. आगे उन्होंने ने कहा कि अत्याचार की हार हुई है. इसके साथ तृणमूल सुप्रीमो ने भाजपा सरकार ने यह आरोप लगाया कि उन्होंने संवैधानिक संस्थानों की आजादी छीन ली थी. इसके साथ मतगणना पर करते हुए ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि 'जीतने के बाद भी कई जगहों पर सर्टिफिकेट नहीं दिया गया है.'

आज इंडिया गठबंधन की बैठक, राणनीति पर होगा फैसला

नईदिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक होगी, जिसमें आगे की रणनीति पर फैसला लिया जाएगा। फैसला इस बात का लिया जाएगा कि कांग्रेस विपक्ष में बैठेगी या सरकार बनाने की कोशिश करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्साहवर्धक प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेस ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस किया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उसके बाद राहुल गांधी ने भी कहा, अब नरेंद्र मोदी नहीं चाहिए।

राहुल गांधी ने सबसे पहले प्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा, आप जितनी हमारी मदद कर सकते थे, आपने की। लेकिन मैं एक बात कहना चाहूंगा कि यह चुनाव महज बीजेपी के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी संवैधानिक संस्थाओं, जांच एजेंसियों, न्यायपालिका के खिलाफ था, जिसे पीएम मोदी और अमित शाह ने अपने कब्जे में ले रखा है। इंडिया गठबंधन बहुत ही प्रतिकूल माहौल में चुनाव लड़ा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग को ऐतिहासिक तीसरी बार जनादेश मिला - विष्णु देव

रायपुर (दावा)। देश में 18वीं लोकसभा चुनाव के अंतर्गत सात चरणों में हुए मतदान के परिणाम आज आए। इस चुनाव में भाजपा नीत राजग गठबंधन ने तीसरी बार जीत हासिल की है। छत्तीसगढ़ की ग्यारह लोकसभा सीटों में दस सीटों में भाजपा ने बढ़त बनाई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चुनाव परिणामों पर कहा कि लगातार तीसरी बार देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत राजग को भरपूर जनादेश दिया है। छत्तीसगढ़ में भी हमने इतिहास रचा है।

० कांग्रेस के झूठ और दुष्प्रचार को छत्तीसगढ़ की जनता ने सिरे से नकारा
० भरपूर आशीर्वाद और विश्वास के लिए छत्तीसगढ़ की जनता का आभार

छत्तीसगढ़ में भाजपा की शानदार जीत पर श्री साय ने कहा कि प्रदेश की दस सीटों पर निर्णायक बढ़त और एक सीट पर मामूली मतों से दूर रह जाना यह साबित करता है कि मोदी की गारंटी पर जनता ने अभूतपूर्व भरोसा दिखाया है। हमें माता-बहनों, किसान-मजदूरों, युवाओं-बुजुर्गों हर वर्ग का समर्थन मिला है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया।

श्री साय ने छत्तीसगढ़ की जनता द्वारा भाजपा को मिले आशीर्वाद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रभारी नितिन नबीन सहित सभी केंद्रीय भाजपा नेताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएम साय ने इंडी गठबंधन को घेरते हुए कहा कि यह चुनाव कांग्रेस और उसकी सहयोगी दलों द्वारा बोले गए झूठ और दुष्प्रचार के लिए जाना जायेगा। कांग्रेस ने तीसरी बार मोदी सरकार के आने पर देश में चुनाव नहीं होने का झूठ, संविधान पर झूठ, आरक्षण पर झूठ, महतारी वंदन पर झूठ, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'एकजुट विरोधी भाजपा जितनी सीट भी नहीं जीत पाए'..., पीएम मोदी ने कहा- नॉर्थ ईस्ट में कांग्रेस का सूपड़ा साफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद बीजेपी मुख्यालय पहुंचे। पीएम मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि 1962 के बाद तीसरी बार लगातार किसी गठबंधन की सरकार बन रही है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि उनका नॉर्थ ईस्ट सूपड़ा साफ हो गया है।

पीएम मोदी के भाषण के अंश...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात और कई राज्यों में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है। हमारी तेलंगाना में सीटें दोगुनी हो गई है। बिहार में हमने नीतीश कुमार के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया है। आंध्रप्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में एनडीए का प्रदर्शन लाजवाब रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरी मां के जाने के बाद यह मेरा पहला चुनाव था। मैं बहुत भावुक था, लेकिन मेरे देश की माताओं, बहनों और बेटियों ने उनकी कभी कमी महसूस नहीं होने दी। उनका यह प्यार व आशीर्वाद किसी आंकड़ों में प्रदर्शित नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए की इस सरकार में कई राष्ट्रीय हित के कार्य हुए। गरीबों के लिए करोड़ों घर बने, गरीबों को गैस के सिलेंडर दिए, गरीबों को 5 लाख का स्वास्थ्य कवर दिया। कश्मीर से 370 हटाने का काम किया। देश में आईटी रिफॉर्म हुए, जिस कारण भारत तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था है। भारत इस कार्यकाल में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा।

जेपी नड्डा ने पीएम मोदी का किया स्वागत

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि आज बहुत ही खुशी का विषय है कि आज पीएम मोदी को धन्यवाद देने के लिए और विजय उत्सव मनाने के लिए इतनी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा देश को, पार्टी को, देश की जनता का फ्रंट से नेतृत्व किया है। मैं उनका अभिनंदन करता हूं।

पीएम मोदी के साथ खड़ा है पूरा देश

दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा, कोई भी गठबंधन (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मोदी-शाह से मुक्ति पाने का जनता ने दिया स्पष्ट संदेश-राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए।

श्री गांधी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह लड़ाई संविधान को बचाने की थी। यह बात वह तब ही समझ गए थे, जब सरकार ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट सील किए, मुख्यमंत्री को जेल में डाला तब मेरे दिमाग में यह बात स्पष्ट हो गयी थी कि अब हिंदुस्तान की जनता संविधान की रक्षा के लिए मिलकर लड़ेगी और मेरा यह पु?ता भरोसा आज सही साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और जहां भी गठबंधन लड़ा ,वहां सबने मिलकर चुनाव लड़ा और देश को एक नया विजन दिया है। श्री गांधी ने कहा, यह चुनाव परिणाम इंडिया गठबंधन का आया है और इसमें संविधान को बचाने का हमारा अभियान सफल रहा। देश ने इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साफ कह दिया है कि देश अब उन्हें नहीं चाहता है।

कांग्रेस नेता ने कहा, देश को बचाने का काम हिंदुस्तान के गरीब लोगों ने किया है, आदिवासियों ने किया, मजदूरों ने किया है। उन्हें समझ में आ गया था कि संविधान देश की आवाज है। हिंदुस्तान के सबसे गरीब लोगों ने देश के संविधान को बचाया है और हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। हम उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इंडिया समूह के नेताओं की कल बैठक बुलाई गई है और उसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। बैठक में गठबंधन के नेता जो भी तय करेंगे, उसी के अनुसार आगे की रणनीति तय की जाएगी। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

बड़े अंतर से हारे पूर्व सीएम बघेल, भाजपा के संतोष पाडेय ने दी शिकस्त

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की कुल 11 सीटें हैं, जिनमें बीजेपी को 10 पर जीत मिली है। वहीं कांग्रेस को सिर्फ एक ही सीट यानी कोरबा से संतोष करना पड़ा। साल 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा को नौ और कांग्रेस को दो सीटों पर जीत मिली थी, जिसमें कोरबा और बस्तर शामिल थी, लेकिन इस चुनाव में कांग्रेस से ज्योत्सना चरणदास महंत ही अपनी साख बचाने में कामयाबी रहीं। कोरबा सीट से ज्योत्सना चरणदास महंत ने भाजपा की सरोज पांडेय को हराया है।

प्रदेश की सबसे हाई प्रोफाइल सीट राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी और राज्य के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को हार का सामना करना पड़ा। भूपेश बघेल को मौजूदा सांसद और भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय ने शिकस्त दी है। उन्होंने 44 हजार चार सौ 11 वोटों से जीत हासिल की है। संतोष पांडेय को कुल 7 लाख 12 हजार 57 वोट मिले हैं। वहीं भूपेश बघेल को 6 लाख 67 हजार 646 वोट मिले हैं। इस तरह जीत का अंतर 44 हजार 411 रहा। संतोष पांडेय के कुल वोट का प्रतिशत 49.25 और भूपेश का 46.18 रहा। राजनांदगांव से प्रदेश के पूर्व सीएम और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विधायक चुने गए हैं, इस लिहाज से भी यह सीट खास हो जाती है। बीजेपी के संतोष पांडेय यहां से सांसद हैं। इतना ही नहीं बीजेपी ने यहां से लगातार 4 बार जीत हासिल की है। राजनांदगांव लोकसभा सीट में 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं, जिसमें राजनांदगांव, खुज्जी, मोहला मानपुर, डोंगरगांव, खैरागढ़, डोंगरगढ़, कवर्धा और पंडरिया शामिल हैं।

बसंतपुर मंडी परिसर समीप स्टेट वेयर हाउस कैम्पस में 4 जून मंगलवार को हुई मतगणना में सबसे पहले पोस्टल बैलेट पेपरों की गणना की गई। इसके बाद साढ़े आठ बजे के करीब शुरू हुई ईवीएम में दर्ज मतों की मतगणना के पहले राउण्ड में कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व सीएम भूपेश बघेल 6471 वोट से आगे रहे, इसके बाद दूसरे राउण्ड में 329 मतों से आगे बने रहे। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे के बढ़त का क्रम शुरू हुआ जो अन्य चक्रों तक बना रहा।

बता दे कि स्टेट वेयर हाउस कैम्पस में राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र सहित डोंगरगढ़, डोंगरगांव व खुज्जी विधानसभा क्षेत्र की मतगणना हुई जिसमें भूपेश बघेल की राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र से 3300 मत, डोंगरगढ़ से 3709 मत, डोंगरगांव से 3227 मत तथा खुज्जी से 3896 मत मिले। वही भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को राजनांदगांव से 5401 मत, डोंगरगढ़ से 2719 मत, डोंगरगांव से 4390 मत तथा खुज्जी से 4438 मत मिले। इसके अलावा कांग्रेस के भूपेश बघेल को पंडरिया से 5815, कवर्धा से 5039, खैरागढ़ से 3527 व मोहला-मानपुर से 4518 मत मिले वही भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को पंडरिया से 3875, कवर्धा से 4526, खैरागढ़ से 3354 व मानपुर-मोहला से 2357 मत मिले। इसका योग क्रमशः 33031 व 37060 है जिससे पता चलता है कि संतोष पांडे कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल से 1971 मतों से पीछे रहे।

दूसरा चक्र- दूसरे चक्र में कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल को राजनांदगांव से 3119 मत मिले वही डोंगरगढ़ से 4068 मत, डोंगरगांव से 3795 तथा खुज्जी से 3747 मत मिले वही भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को राजनांदगांव से 7622 मत, डोंगरगढ़ से 3160 मत, डोंगरगांव से 5736 मत व खुज्जी से 3747 मत मिले। इसी तरह भूपेश बघेल को पंडरिया से 7814 मत, कवर्धा से 6670 मत, खैरागढ़ से 3801 मत व मानपुर-मोहला से 4126 मत मिलने वही भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को पंडरिया से 3698 कवर्धा से 7061, खैरागढ़ से 4166 व मानपुर-मोहला से 2529 मत मिले। इस तरह दोनों को क्रमशः 37200 व 38842 मतों की प्राप्ति हुई जिसमें दूसरे चक्र में श्री पांडे

को 1642 मतों से बढ़त मिली।

तीसरे राउण्ड में राजनांदगांव से भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को 7982 मत, डोंगरगढ़ से 3155 मत डोंगरगांव से 4162 मत तथा खुज्जी से 5248 मत मिले वही कांग्रेस के भूपेश बघेल को राजनांदगांव से 3207, डोंगरगढ़ से 4121 डोंगरगांव से 4467 तथा खुज्जी से 4081 मत मिले। इसी तरह श्री पांडे को पंडरिया से 3892 मत कवर्धा से 6279 मत, खैरागढ़ से 4157 मत व मानपुर-मोहला से 5020 मत मिले। दोनों का योग क्रमशः 37297 व 37651 रहा जिसमें श्री पांडे बघेल से 340 मतों से आगे रहे।

चौथे राउण्ड में भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे राजनांदगांव से 8234 मत, डोंगरगढ़ से 3231, डोंगरगांव से 4527 व खुज्जी से 3173 मत मिले। इसी तरह श्री बघेल को राजनांदगांव से 2621 मत, डोंगरगढ़ से 4135 मत डोंगरगांव से 3523 मत तथा खुज्जी से 4890 मत मिले। इसी तरह श्री पांडे को पंडरिया से 6213 मत कवर्धा से 6851 मत खैरागढ़ से 4411 मत व मानपुर, मोहला से 2967 मत मिले वही भूपेश बघेल को पंडरिया से 6993 मत, कवर्धा से 6605 मत, खैरागढ़ से 3377 मत तथा मानपुर-मोहला से 4073 मत मिले। दोनों को मिले मत का योग क्रमशः 36217 व 39607 रहा जिससे श्री पांडे, श्री बघेल से 3410 मतों से आगे रहे।

पांचवे राउण्ड श्री पांडे को राजनांदगांव से 8911 मत मिले वही डोंगरगढ़ से 5088 मत, डोंगरगांव से 4719 मत तथा खुज्जी से 4704 मत मिले वही कांग्रेस के भूपेश बघेल को राजनांदगांव से 3534 वोट डोंगरगढ़ से 4895 मत, डोंगरगांव से 3937 मत तथा खुज्जी से 3796 मत मिले। इस तरह दोनों को मिले मत का योग क्रमशः 38255 व 41615 रहा। इस में भाजपा प्रत्याशी श्री पांडे श्री बघेल से 3360 मतों से आगे रहे।

छठवे राउंड में भाजपा के संतोष पांडे राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र से 7740 मत डोंगरगढ़ से 5054 मत, डोंगरगांव से 3667 मत तथा खुज्जी से 4209 मत मिले। इसी तरह कांग्रेस के श्री बघेल को राजनांदगांव से 3601 मत डोंगरगढ़ से 3715 मत डोंगरगांव से 3982 मत तथा खुज्जी से 4256 मत मिले।

इसी तरह श्री पांडे को पंडरिया से 5222, कवर्धा से 7208 खैरागढ़ से 4247 एवं मानपुर मोहला से 2449 मत मिले वही भूपेश बघेल को पंडरिया से 7159, कवर्धा से 6608 मत खैरागढ़ से 3197 मत तथा मानपुर-मोहला से 4029 मत मिले। इस तरह दोनों की मिले मत का योग क्रमशः 36547 एवं 39796 रहा। जिसमें संतोष पांडे ने भूपेश बघेल को 3249 मतों से पीछे छोड़ दिया था।

सातवे राउण्ड में भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को राजनांदगांव से 5939 मत डोंगरगढ़ से 4790 मत, डोंगरगांव से 3801 मत तथा खुज्जी से 4247 मत मिले वही भूपेश बघेल को राजनांदगांव से 3555, डोंगरगढ़ से 3562, डोंगरगांव से 5192 व खुज्जी से 4153 मत मिले। इसी तरह संतोष पांडे को पंडरिया से 7871 मत कवर्धा से 5945 मत, खैरागढ़ से 4992 मत तथा मानपुर-मोहला से 3377 मत मिले वही भूपेश बघेल को पंडरिया से 5905 कवर्धा से 7149 मत, खैरागढ़ से 3008 मत व मानपुर-मोहला से 4001 मत मिले। इस तरह दोनों को मिले मत का योग क्रमशः 36525 व 40162 रहा जिसमें श्री पांडे ने भूपेश बघेल से 3637 मतों से पीछे छोड़ा था।

आठवे राउण्ड भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे ने राजनांदगांव से जहां 6439 मत पाए वही डोंगरगढ़ से 3602 मत डोंगरगांव से 5243 मत व खुज्जी से 2474 मतों की प्राप्ति की। इसी तरह भूपेश बघेल ने राजनांदगांव से 2315 मत डोंगरगढ़ से 5055 मत डोंगरगांव से 5188 मत तथा खुज्जी से 4403 मतों की प्राप्ति की।

इसी तरह श्री पांडे ने पडरिया से 4933 मत कवर्धा से 6850 मत खैरागढ़ से 3654 मत व मानपुर मोहला से 4511 मत हासिल किया वही भूपेश बघेल ने पंडरिया से 4301 मत कवर्धा से 6678 मत खैरागढ़ से 3224 मत व मानपुर-मोहला से 3310 मत की प्राप्ति की। इस तरह दोनों को मिले मत का योग क्रमशः 34474 व 37705 होता है। इसमें श्री पांडे ने 3231 मतों से श्री बघेल को पीछे छोड़ा था।

नवम राउण्ड भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे ने राजनांदगांव से कुल 7652 मत पाया वही डोंगरगढ़ से 3203 मत डोंगरगांव से 4228 मत व खुज्जी से 2257 मतों की प्राप्ति की। वही कांग्रेस के भूपेश बघेल ने राजनांदगांव से 2114 मत डोंगरगढ़ से 5118 मत व डोंगरगांव से 3844 मत तथा खुज्जी से 4674 मतकी प्राप्ति की। इसी तरह संतोष पांडे को पंडरिया से 6037 मत कवर्धा से 5952 मत खैरागढ़ से 4434 मत एवं मानपुर-मोहला से 2139 मत हासिल हुआ वही भूपेश बघेल को पंडरिया से 5363 मत कवर्धा से 5569 मत खैरागढ़ से 4414 मत एवं मानपुर-मोहला से 5080 मत मिले। इस तरह दोनों को मिले मत का योग क्रमशः 36176 व 35899 है जिसमें भूपेश बघेल ने श्री पांडे को मात्र 288 मतों से पीछे छोड़ा। इस तरह 23 राउड तक चले मतगणना में भूपेश बघेल ने अंतिम राउंड में कुल 667078 मत हासिल किया वही भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे 711439 मत पाकर भूपेश बघेल 44411 मतों से आगे रहे और जीत दर्ज की।

पहला कॉलम...

अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दुरंतो एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

राजनांदगांव (दावा)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 12262/12261 हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस एवं 12222/12221 हावड़ा-पुणे-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

यह सुविधा गाड़ी संख्या 12262 हावड़ा-सीएसएमटी में हावड़ा से 5 व 7 जून को तथा गाड़ी संख्या 12261 सीएसएमटी-हावड़ा में सीएसएमटी से 06 व 09 जून को उपलब्ध रहेगी। इसी प्रकार यह सुविधा गाड़ी संख्या 12222 हावड़ा-पुणे में हावड़ा से 06 जून को तथा गाड़ी संख्या 12221 पुणे-हावड़ा में पुणे से 08 जून को उपलब्ध रहेगी।

दाऊ सुंदरलाल साहू का निधन

टेड़ेसरा (दावा)। ग्राम टेड़ेसरा निवासी दाऊ सुंदरलाल साहू आयु 80 वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम में किया गया। वह काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। दाऊजी व्यक्तित्व के धनी मिलनसार एवं समाजसेवी थे। वे लोक कलाकार जगत के नामी चरणदास चोर नाचा गम्मत पार्टी के प्रमुख थे। नाच पार्टी में भी अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले दाऊजी काफी लोकप्रिय भी हुए। उनके सरल स्वभाव के चलते गांव में भी उनका एक अलग ही पहचान बना हुआ था। साथ ही साथ गांव के ग्राम पटेल के मुखिया के तौर पर गांव में भी अपनी भागीदारी बखूबी निभाते चले गए। साथ ही गांव में साहू समाज के अध्यक्ष एवं ईरा मंडल में भी उपाध्यक्ष के पद पर रहकर अपना भागीदारी निभाते थे। दाऊजी कई पदों पर रहकर समाज कल्याण के लिए कार्य करते रहे। साथ ही परिवार में भी उनका एक अलग ही महत्व था। गांव के बड़े बुजुर्ग एवं बच्चे युवा भी उनकी बातों को बखूबी निभाते थे। मूलचंद, कमलेश, मनोज साहू पिता थे एवं पत्नी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ चले गए।

रॉयल किड्स कान्वेंट में भूतपूर्व विद्यार्थियों ने किया विजिट

राजनांदगांव (दावा)। शिक्षा संस्कार व खेल के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान रॉयल किड्स कान्वेंट में वर्ष 2003-04 में 12वीं पास हुए विद्यार्थी बनवारी भीमनानी, किरण पटेल, कौशल शर्मा, सरिता कुकरेजा, खुशबू खंडेलवाल, माधुरी खंडेलवाल ने शाला में विजिट किया और पहले से अब तक शाला का विकास देखकर बहुत खुश हुए। ये सभी अच्छे-अच्छे पदों पर आसीन है कोई डॉक्टर कोई सीए और कोई सफल व्यवसायी है, इन सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शाला को दिया और कहा कि हम इतनी ऊंचाइयों पर पापा जी लाल शंकर बहादुर सिंह, संस्थापक डॉ. जयंत बहादुर सिंह प्रशासक संजय बहादुर सिंह एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन के कारण पहुंच पाए हैं। उन्होंने अपने बच्चों को भी यहीं शिक्षा दिलवाने का वादा किया।

उन्होंने पापा जी के दिनों को याद किया उनके अनुशासन को याद किया और उनसे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला यह बताया। सभी छात्रों ने श्री अभिषेक खंडेलवाल सर को शिक्षा के साथ सदैव संस्कारों पर जोर देने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। उनके समर्पण, कड़े अनुशासन एवं समय-समय पर उनके मोटीवेशन को याद किया एवं आभार जताया। प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए भवन में आए परिवर्तन व अद्यतन नवाचारो की बहुत तारीफ की। जब इन्होंने विजिट किया उस समय उनके साथ शाला के प्रशासक संजय बहादुर सिंह, डायरेक्टर एवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल, वरिष्ठ शिक्षक शिक्षिकाएं गोपाल साहू प्राचार्य (सीजी बोर्ड), श्रीमती एकता खंडेलवाल प्राचार्य (सीबीएसई बोर्ड), श्रीमती ममता मिश्रा उप प्राचार्य आईसीएसई बोर्ड, श्रीमती सुषमा शुक्ला उप प्राचार्य सीजी बोर्ड, सुश्री सरिता सिंह (एच.एम.) एक्टिविटी कल्चरल इंचार्ज श्रीमती अपर्णा वर्मा, श्रीमती मौली सेबेस्तियन, आर एन मिश्रा सर उपस्थित थे। सबके साथ मिलकर यह सारे अपनी बचपन की स्मृतियों में खो गए और भाव विभोर होकर वापस हुए।

शाला की अध्यक्षा श्रीमती डॉ.सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर एवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल, (सी.जी.बोर्ड) प्राचार्य गोपाल साहू, (सीबीएसई बोर्ड) प्राचार्य श्रीमती एकता खंडेलवाल, बरसर आई. के. वैष्णव एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भूतपूर्व छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ में हार के बावजूद हताश नहीं है- कांग्रेस

रायपुर (दावा)। लोकसभा चुनाव के परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 400 पार का दंभ भरने वाली भाजपा और नरेंद्र मोदी अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाये। 10 साल के तानाशाही और गैर प्रजातांत्रिक चरित्र वाली मोदी सरकार की विदाई देश की जनता ने सुनिश्चित कर दिया है।

पीसीसी अध्यक्ष बोले, बेहतर परिणाम की अपेक्षा थी, लेकिन.....

पूरा भरोसा है प्रजातांत्रिक मूल्यों को समर्पित तथा संवैधानिक मूल्यों की रक्षा को प्रतिबद्ध समान विचारधारा वाले गैर भाजपाई दलों के साथ देश में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। देश का जनादेश नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ आया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में चुनाव परिणाम हमारे अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं आये है। हमें बेहतर परिणाम की अपेक्षा थीं। राज्य में आये इस चुनाव परिणाम से निराश जरूर है, हताश नहीं। हमारे कार्यकर्ताओं, नेताओं ने बढ़िया लड़ाई लड़ी। आगे भी राज्य में मजबूत विपक्ष के रूप में हम जनसरोकारों के लिये संघर्ष जारी रखेंगे। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज को मजबूती से उठाने को प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ की हॉट सीट पर भाजपा को एकतरफा बहुमत, मुंह की खाई कांग्रेस

रायपुर (दावा)। लोकसभा सीट से भाजपा ने प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज किया है। छत्तीसगढ़ की हॉट सीट रायपुर पर एकतरफा परिणाम देखने को मिल रहा है। रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा कांग्रेस को बुरी तरह हराकर 450991 अधिक वोट से जीत दर्ज की है। बता दें कि, रायपुर से भाजपा के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल और कांग्रेस से विकास उपाध्याय उम्मीदवार चुने गए थे। रायपुर से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल को 820630 बहुमत और कांग्रेस को 369639 बहुमत मिले। प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज करते हुए भाजपा रायपुर समेत पूरे प्रदेश में अपनी जीत का जश्न मना रही है। छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में भाजपा को 10 और कांग्रेस के हाथों 1 सीट आया है। कोरबा लोकसभा सीट से परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आया है। वहीं धूर नक्सली प्रभावित क्षेत्र बस्तर से भाजपा प्रचंड बहुमत से जीती है।

जबानटोला में राशि स्वीकृत होने के बाद भी आंगनबाड़ी भवन निर्माण अधूरा

जोंधरा (दावा)। छुरिया विकासखंड के आश्रित ग्राम पंचायत जबानटोला परेवाडीह में आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु शासकीय स्वीकृति के बाद भी विगत साल भर से आंगनबाड़ी भवन का निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु 755500 रूपयों (सात लाख पचपन हजार पॉच सौ) की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई है। पंचायत द्वारा आंगनबाड़ी भवन हेतु मात्र नींव निकालकर कालम बस खड़ा कर दिया गया है।

विदित हो ग्राम जबानटोला परेवाडीह में अब तक नैनिहालों के लिए आंगनवाड़ी भवन नहीं है, इसके कारण आज भी बच्चे ग्राम के किसी भी व्यक्ति के खाली छपरी में पढ़ने जाते हैं। जिस दिन जिसका बरामदा या छपरी खाली मिला उस दिन आंगनबाड़ी वही संचालित किया जा रहा है।

युवाओं ने की शीघ्र बनाने की मांग

ग्राम के देवसिंग विश्वकर्मा, आत्माराम भुवार्य, रूपसिंह सलामे ने प्रतिनिधि को बताया कि आंगनबाड़ी भवन नहीं होने के कारण बच्चों को प्रतिदिन अलग-अलग जगह पर भटकना पड़ता है जबकि राशि स्वीकृत हुए वर्ष भर बीत चुका है उन्होंने शासन से शीघ्र ही पंचायत को आदेश प्रदान करते हुए निर्माण कार्य को गति देने की बात की है।

> पंचायत में सीसी सड़क निर्माण कार्य किए जाने के कारण आंगनबाड़ी भवन निर्माण को ब्रेक कर दिया गया था अब शीघ्र ही निर्माण प्रारंभ किया जाएगा
>
> **- सालबाई बिहारी सरपंच ग्राम पंचायत जबानटोला**

वाराणसी से पीएम मोदी ने लगाई जीत की हैट्रिक

वाराणसी (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव 2024 की तस्वीर करीब-करीब साफ हो गई है। रुझानों और नतीजों में एनडीए 290 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। वहीं, इंडिया गठबंधन 220 से अधिक सीटों पर आगे है। पूरे देश की निगाहें उत्तर प्रदेश की हॉट सीट वाराणसी पर टिकी रही। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट से जीत की हैट्रिक लगाई है।

प्रीमियर लीग कबड्डी, मुंगेली और कवर्धा के बीच टक्कर

बिलासपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने बताया कि बिलासपुर लाल बहादुर शास्त्री हायर सेकेंडरी स्कूल शनिचरी बाजार में विगत 30 मई से 2 जून तक छत्तीसगढ़ कबड्डी प्रीमियर लीग कबड्डी टूर्नामेंट खेला गया। इस टूर्नामेंट मे छत्तीसगढ़ की बेस्ट खिलाड़ी की आठ टीमों ने हिस्सा लिया, इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबला बहुत ही रोचक हुआ।

फाइनल मैच मुंगेली और कवर्धा के बीच हुआ उतार चढ़ाव वाले इस मैच में अंततः कवर्धा की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। अंतिम 3 मिनट तक मुंगेली की टीम दो पॉइंट से आगे चल रही थी लेकिन कवर्धा के रीडर गोविंद सीदार के द्वारा चार खिलाड़ियों का आउट करने पर कवर्धा दो पॉइंट से आगे हो गई उसके बाद मुंगेली दबाव में आकर खेलने लगी और अंततः चार पॉइंट से कवर्धा की टीम को विजय घोषित किया गया।

इस टूर्नामेंट में पूर्व मंत्री एवं विधायक बिलासपुर अमर अग्रवाल मुख्य अतिथि थे एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक विधायक बिल्हा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। सुशांत शुक्ला विधायक बेल्थरा एवं अशोक चौधरी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में हिस्सा लिया और पुरस्कार वितरण किया। इस टूर्नामेंट में चौथे नंबर पर बिलासपुर की टीम रही। तीसरे नंबर पर भिलाई की टीम रही। दूसरे नंबर पर मुंगेली एवं पहले नंबर पर कवर्धा की टीम रही एक लाख रुपये इनाम वाले टूर्नामेंट में बिलासपुर के कबड्डी प्रेमीयों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। टूर्नामेंट का यह नौवां वर्ष था। सभी अतिथियों ने आयोजकों को सफल संचालन के लिए बधाई दी। विधायक सुशांत शुक्ला ने अलग से कबड्डी स्टेडियम बनाने की घोषणा किया। जिसका आयोजन समिति एवं दर्शकों ने ताली बजाकर स्वागत किया।

पूरे प्रदेश में बृजमोहन अग्रवाल ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, तोड़ा सुनील सोनी का रिकार्ड

रायपुर (दावा)। रायपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे बीजेपी के बृजमोहन अग्रवाल ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बृजमोहन अग्रवाल ने पूर्व सांसद सुनील सोनी के वोटो के हिसाब से जीत का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस सीट पर बृजमोहन अग्रवाल के खिलाफ कांग्रेस के विकास उपाध्याय चुनाव मैदान में थे।

बता दें कि रायपुर लोकसभा सीट से बृजमोहन अग्रवाल ने अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस के विकास उपाध्याय को 558005 वोट से करारी शिकस्त दी है। इस तरह बृजमोहन अग्रवाल ने पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के सांसद सुनील सोनी ने कांग्रेस के प्रमोद दुबे को 3 लाख 48 हजार 238 वोटों से हराकर रिकार्ड बनाया था। जो कि अब तक हुए लोकसभा चुनाव में वोटो के हिसाब से सबसी बड़ी जीत थी।

शुभांक

अनुमानित

बी. के
2-5-8
178-6 599-3
राजधानी
1-6-9
390-2 370-0

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

dts श्री कृष्णा (एयरकूल) में
भीड़भरा शानदार दूसरा सप्ताह रोजाना 4 खेलों में
समय : 12, 3, 6 व 9 बजे
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
पारिवारिक, एक्शन एवं गीत संगीत से भरपूर
सतीश जैन कृत
मोर छंइया भुंईया-2
छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल, दीपक साहू, एल्सा घोष, पुष्पेन्द्र सिंह, नितिन ग्वाला, क्रांति दीक्षित, धर्मेन्द्र चौबे आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

paytm book my show
SILVER SCREEN MULTIPLEX
03rd May to 06th June 2024
silver SCREEN

Mor Chhainha Bhuinya 2 (C.G)- 12:00, 12:30, 03:00, 03:30, 06:00, 06:30, 09:00 and 09:15 pm

Mr and Mrs Mahi - 12:15, 03:15, 06:15 and 09:30 pm

Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) 8085600200

इस बार भगवा रंग में रंगा बस्तर, बीजेपी के महेश कश्यप जीते, कवासी हारे

जगदलपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ की बस्तर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने जीत हासिल की है। उन्होंने 55 हजार 245 वोटों से जीत हासिल की है। कश्यप को 4 लाख 58 हजार 398 वोट मिले हैं। वहीं पूर्व मंत्री कवासी लखमा को 4 लाख 3 हजार 153 वोट मिले हैं। इस तरह जीत का अंतर 55 हजार 245 रहा। कुल वोट का प्रतिशत 45.5 रहा।

बस्तर लोकसभा सीट छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण सीटों में से एक मानी जाती है। वर्ष 1951 से पहले लोकसभा चुनाव से लेकर वर्ष 1996 तक यह कांग्रेस की परंपरागत सीट हुआ करती थी, लेकिन साल 1996 में पहली बार यहां के लोगों ने निर्दलीय प्रत्याशी को चुना। वर्ष 1998 से लेकर 2014 तक इस सीट पर बीजेपी का कब्जा रहा। यह सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यह सीट वर्ष 1952 में पहली बार अस्तित्व में आई थी। यहां से दीपक बैज कांग्रेस के मौजूदा सासंद हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर के बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की थी। दीपक बैज विधानसभा चुनाव 2023 में चित्रकोट से चुनाव हार गए थे। बीजेपी ने इस बार कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा को टक्कर देने के लिए बस्तर से महेश कश्यप को चुनावी मैदान में उतारा है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता बलिराम कश्यप यहां से लगातार 4 बार (1998 से 2009) सांसद रहे। वर्ष 2011 और 2014 में बीजेपी के दिनेश कश्यप यहां से सांसद बने। इस सीट पर पिछले डेढ़ दशक तक कश्यप परिवार का दबदबा रहा। वर्ष 2014 में बीजेपी के दिनेश कश्यप ने यहां से जीत हासिल की थी। उन्होंने कांग्रेस के दीपक कुमार को हराया था।

पहली बार चुनाव लड़े महेश कश्यप

भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सक्रिय सदस्य और इन संगठनों में विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं। महेश कश्यप ने कक्षा दसवीं तक की पढ़ाई की है। जगदलपुर ब्लॉक के ग्राम कलचा के निवासी 48 वर्षीय महेश 1996 में बजरंग दल के जिला संयोजक बने थे। बस्तर लोकसभा के तहत कुल 8 विधानसभा सीटें कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर, कोंटा।

बस्तर लोकसभा सीट में कुल मतदाता

बस्तर लोकसभा सीट पर करीब 13 लाख 57 हजार 443 लाख वोटर्स हैं। इनमें से 6 लाख 53 हजार 620 लाख पुरुष वोटर्स हैं, जबकि 7 लाख 3 हजार 779 महिला मतदाता हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में 9 लाख 12 हजार 846 मतदाताओं ने मतदान किया था। मतलब यहां 70 फीसदी वोटिंग हुई थी। उन्होंने चुनावी मुद्दे- नक्सलवाद, कृषि और वनोपज, शहरी विकास, रोजगार, पलायन, आदिवासी, जंगल और जमीन जातीय समीकरण आदि रहे। बस्तर की राजनीति में भतरा और गोंड समुदायों का प्रभाव रहा है। हल्बा और अन्य आदिवासी जातियों की मौजूदगी भी है, लेकिन मुख्य रूप से पूरी राजनीति भतरा आदिवासियों के इर्द गिर्द ही घूमती रहती है। बस्तर के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर और इसके आसपास के इलाके में भतरा जनजाति का निवास है। भानपुरी के बलीराम कश्यप का परिवार भी इसी समुदाय से हैं। हालांकि आदिवासियों के बीच राजनीतिक विभाजन नहीं है पर चुनाव के दौरान समाज को साधना जरूरी हो जाता है। बस्तर में हल्बी, भतरी, गोंडी, दोरली, परजी, धुरवी आदि बोलियां बोली जाती हैं। बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और अबूझमाड़ चारों जगह की गोंडी में फर्क है। दोरली बीजापुर और सुकमा के उन इलाकों में बोली जाती है, जो आंध्र या तेलंगाना से सटे हैं। इन जातियों के साधने पर ही यहां से जीत संभव हो पाता है।

निर्दलीय मुचाकी कोसा का रिकॉर्ड बरकरार

बस्तर लोकसभा सीट पर अब तक की सबसे बड़ी जीत पहले चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार मुचाकी कोसा की रही है। राजमहल समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी मुचाकी कोसा को वर्ष 1952 के चुनाव में कुल विधिमान्य मतों में से 83.05 प्रतिशत मत मिले थे, जबकि उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस के सुरती क्रिस्टैया को मात्र 16.95 प्रतिशत वोट मिले थे। मुचाकी कोसा को 1 लाख 77 हजार 588 मत और सुरती क्रिस्टा को 36 हजार 257 वोट मिले थे। मुचाकी ने 1 लाख 41 हजार 331 मत और 66.09 फीसद के भारी अंतर से जीत हासिल की थी। विधिमान्य मतों में एकतरफा रिकॉर्ड 83.05 मत आज तक कोई प्राप्त नहीं कर सका है।

बस्तर का इतिहास

आदिवासी बहुल बस्तर जिला छत्तीसगढ़ एक नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। करीब 70 प्रतिशत जनसंख्या जनजातीय समुदाय की है। इस समाज की एक बड़ी आबादी आज भी घने जंगलों में रहती है। ये समुदाय अपनी संस्कृति, कला, पर्व और सहज जीवन शैली के लिए प्रख्यात है। बस्तर को 'छत्तीसगढ़ का कश्मीर' भी कहा जाता है। बस्तर घने जंगलों, ऊंची पहाड़ियों, झरनों, गुफाओं से भरा हुआ है। अपनी मनमोहक खूबसूरती से यह सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। नक्सलवाद की वजह से बस्तर कई दशकों से सुर्खियों में रहा है। 14वीं सदी में यहां पर काकतीय वंश का राज था। इस क्षेत्र पर अंग्रेज कभी अपना राज स्थापित नहीं कर पाए। आजादी के पहले बस्तर राजघराने की राजधानी थी। शुरुआत के दो दशक तक बस्तर की राजनीति में राजमहल का प्रभाव रहा। बस्तर राजशाही वाला इलाका रहा है। महाराजा स्वर्गीय प्रवीरचंद भंजदेव के इशारे पर चुनाव में जीत-हार तय होती थी। उन्हें तब मां दंतेश्वरी के माटी पुजारी और आदिवासियों के भगवान के नाम से भी जाना जाता था। बस्तर लोकसभा सीट का मुख्यालय जगदलपुर है।

छह बार के विधायक हैं कवासी लखमा

छह बार विधायक कवासी लखमा सुकमा जिले के ग्राम नागारास के निवासी हैं। साल 1953 में जन्में लखमा साक्षर हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश में पंच के चुनाव से राजनीति में कदम रखने वाले 71 वर्षीय लखमा किसान परिवार से हैं।

बस्तर लोकसभा चुनाव 2019 के नतीजे

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के दीपक बैज ने बीजेपी के बैदूराम कश्यप को कड़ी टक्कर देते हुए हराया था। बैदूराम कश्यप को 38 हजार 982 हजार वोटों से हराया था। दीपक बैज को 4 लाख 2 हजार 527 वोट यानी 44 फीसदी वोट मिले थे जबकि बैदूराम कश्यप को 3 लाख 63 हजार 545 यानी 40 फीसदी वोट मिले थे। तीसरे नंबर पर सीपीआई के रामू राम थे। रामू को महज 38 हजार 395 वोट मिले थे।

बस्तर लोकसभा चुनाव 2014 का परिणाम

वर्ष 2014 में हुए चुनाव में करीब 12 लाख 98083 मतदाता थे। भाजपा प्रत्याशी दिनेश कश्यप ने कुल 3 लाख 85 हजार 829 वोट हासिल कर बाजी मारी थी। उन्हें 50।11 प्रतिशत वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर कांग्रेस उम्मीदवार दीपक कर्मा (बंटी) को 2 लाख 61 हजार 470 वोट मिले थे। कुल वोटों का 33.96 प्रतिशत था। इस सीट पर जीत का अंतर 1 लाख 24 हजार 359 था।

बस्तर लोकसभा चुनाव 2009 का परिणाम

साल 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में 11 लाख 93 हजार 116 मतदाता थे। उस समय बीजेपी उम्मीदवार बलिराम कश्यप ने 2 लाख 49 हजार 373 वोट पाकर जीत दर्ज की थी। उन्हें कुल 44.16 प्रतिशत वोट मिले थे। दूसरे स्थान पर कांग्रेस उम्मीदवार शंकर सोढ़ी थे, जिन्हें 1 लाख 49 हजार 111 वोट मिले थे। कुल वोटों का 26.4 प्रतिशत था।

उत्तराखंड में भाजपा ने लगाई जीत की हैट्रिक, पांचों सीटों पर कमल खिला

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणामों में उत्तराखंड की पांचों सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। पौड़ी लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी ने कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल को करारी शिकस्त दी है। अनिल बलूनी को 4,13,644 वोट मिले हैं। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल को 1,52,909 वोटों से हराया है।

अनिल बलूनी की जीत के जश्न में मंत्री धन सिंह रावत और विधायक विनोद कंडारी ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी। हरिद्वार लोकसभा सीट पर भी भाजपा का जलवा कायम रहा। यहां से भाजपा उम्मीदवार त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कांग्रेस से वीरेंद्र रावत को करारी शिकस्त दी है। 2014 और 2019 के बाद तीसरी बार 2024 में भी राज्य की पांचों सीटों पर कमल खिला है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मनाया जश्न

उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीट अल्मोड़ा, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार और नैनीताल सीट पर भाजपा के सभी प्रत्याशियों ने भारी अंतर से जीत हासिल की है। भाजपा की जीत की हैट्रिक के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून भाजपा मुख्यालय में जश्न मनाया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड में भाजपा की प्रचंड जीत आह्लादित करने वाली है। यह परिणाम पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में लिए गए युगांतकारी निर्णयों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर देवभूमि के जन-जन के विश्वास को परिलक्षित कर रहा है।

सीट विजेता

गढ़वाल अनिल बलूनी
टिहरी माला राज्य लक्ष्मी शाह
हरिद्वार त्रिवेंद्र सिंह रावत
अल्मोड़ा अजय टम्टा
नैनीताल अजय भट्ट

सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका की खारिज

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले के गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रही है। याचिकाकर्ता (सिसोदिया) जमानत के लिए नए सिरे से आवेदन करने के लिए स्वतंत्र हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा, हम (गुण-दोष पर) कुछ नहीं कहेंगे। हम आपकी प्रार्थनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए स्वतंत्रता के साथ निपटारा करेंगे। हम गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रहे हैं।÷ शीर्ष अदालत ने ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता का यह बयान दर्ज किया कि आरोप अंतिम पत्र तीन जुलाई तक दाखिल कर दिया जाएगा। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने विशेष अदालत की ओर से जमानत याचिका खारिज होने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जहां 21 मई को उनकी अपील खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष अदालत के समक्ष चुनौती दी थी।

अमरावती से नवनीत राणा हारीं, इस वजह से मिली करारी शिकस्त

मुंबई। महाराष्ट्र के अमरावती निर्वाचन क्षेत्र में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। सत्तारूढ़ दल को विरोध के बावजूद राणा को टिकट देना महंगा पड़ गया है। नवनीत राणा का अमरावती से हारना लगभग तय हो गया हैं। नवनीत राणा अपने निकटतम प्रतिद्वंदी से 20 हजार वोटों से पीछे हैं।

अमरावती की वर्तमान सांसद नवनीत राणा का मुकाबला कांग्रेस के बलवंत वानखेडे से है। वानखेडे ने नवनीत राणा को तगड़ा झटका दिया है। उनके 20 हजार वोटों से जीतने की उम्मीद है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है।

कांग्रेस प्रत्याशी की जीत की राह ऐसे हुई आसान

बीजेपी द्वारा नवनीत राणा को टिकट दिए जाने के बाद प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रमुख बच्चू कडू ने महायुति गठबंधन में होने के बावजूद खुलकर विरोध किया था। दिनेश बूब को 85 हजार वोट मिले है। इस वजह से अमरावती में नवनीत राणा की जीत की राह कठिन हो गई। नवनीत राणा ने 2014 में एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने शिवसेना के आनंदराव अडसूल को हराया था। इसके बाद 2019 में राणा ने एनसीपी और कांग्रेस के समर्थन से निर्दलीय चुनाव लड़ा और एक बार फिर अडसूल को मात दी। अमरावती सीट पर कुल 18.36 लाख मतदाता हैं और 64.02 फीसदी वोटिंग हुई है।

अमरावती में त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला। बीजेपी से नवनीत राणा, कांग्रेस से बलवंत वानखेड़े और प्रहार जनशक्ति पार्टी से दिनेश बूब मैदान में थे। अमरावती से बलवंत वानखेडे की जीत की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

शहर का मौसम बदल रहा : चक्रवाती सिस्टम से बारिश के आसार

राजनांदगांव (दावा)। दक्षिण पश्चिम मानसून के केरल में आने के बाद मौसम बदलने लगा है। तीन अलग-अलग चक्रवाती सिस्टम मजबूत स्थिति में है। इससे जिले सहित प्रदेश के कई हिस्से में बारिश की संभावना बन रही है। वहीं तापमान में भी गिरावट होने के संकेत है। इससे गर्मी से राहत मिलेगी। जून की शुरुआत के साथ ही तापमान में गिरावट भी शुरू हो गया है। हालांकि अभी बड़ी गिरावट की स्थिति नहीं बनेगी। उतार चढ़ाव जारी रहेगा।

लेकिन हीट वेव को लेकर बनी स्थिति नियंत्रित हो रही है। मौसम विज्ञानी एच.पी. चंद्रा ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर के कुछ और भाग, कर्नाटक के कुछ और भाग, रॉयल सीमा, तटीय आंध्रप्रदेश, तेलंगाना के कुछ भाग और पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी तथा उत्तर पश्चिम बंगाल के खाड़ी के कुछ और भाग में 3 जून को पहुंच चुका है। मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई है। अगले चार-पांच दिनों में प्रदेश के दक्षिणी भाग में पहुंचने की संभावना बन रही है। बारिश के लिए बना अलग-अलग सिस्टम मौसम विज्ञानी चंद्रा ने बताया कि एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश उत्तर तटीय तमिलनाडु के ऊपर 3.1 किमी. ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तरप्रदेश के ऊपर 1.5 किमी. ऊंचाई तक विस्तारित है।

11 में से 10 सीट के पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर बीजेपी गदगद

रायपुर (दावा)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने लोकसभा चुनाव-2024 में भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिले पूर्ण बहुमत को ऐतिहासिक जनादेश बताते हुए अपनी विजय को पूरी विनम्रता से शिरोधार्य करते हुए इसे भारत के 140 करोड देशवासियों की जीत बताया है। पार्टी के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त कर 'विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने और विश्व मंच पर भारत के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए प्रदेश की जनता का हृदय से आभार मानकर बधाई दी है। केंद्र में लगातार तीसरी बार सत्ता सम्हालने के लिए मिले जनादेश के दृष्टिगत राजधानी समेत पूरे प्रदेश में भाजपाजनों में उत्साह है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने भाजपा की शानदार जीत पर प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत जनता और प्रधानमंत्री श्री मोदी 10 वर्षों में किए गए काम और लिए गए क्रांतिकारी निर्णयों की जीत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी पर देश की जनता ने जो अपना विश्वास व्यक्त किया है, अब भाजपा की डबल इंजन की सरकार उस विश्वास की कसौटी पर खरी उतरने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। श्री देव ने कहा कि ये नतीजे इस बात के प्रमाण हैं कि भारत और विशेषकर छत्तीसगढ़ की जनता जनार्दन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की एक सशक्त सरकार के के लिए अपना निर्णय व्यक्त किया है। ये नतीजे इस बात की तस्दीक भी कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अपने उद्घोष में निहित 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' के संकल्प के साथ काम किया है आगे भी यह करती रहेगी।श्री देव ने कहा कि भाजपा-एनडीए को ऐतिहासिक बहुमत के साथ जनता जनार्दन ने सत्ता सौंपी है और भाजपा जन-विश्वास की कसौटी पर खरी उतरेगी।

भाजपा अध्यक्ष बोले, भूपेश बघेल सहित 11 में से 10 कांग्रेस प्रत्याशियों का हारना मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन पर मुहर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने छत्तीसगढ़ भाजपा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जनता-जनार्दन ने पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में भारी संख्या में जो स्वस्फूर्त मतदान किया है, उससे भाजपा का विश्वास फलीभूत हुआ है। देश की जो जनभावना प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ जुड़ी है, श्री मोदी के नेतृत्व पर जनता-जनार्दन का जो अटूट विश्वास स्थापित हुआ है, वह अभूतपूर्व है। श्री देव ने भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमेठी से हारीं स्मृति तो छिंदवाड़ा से नकुलनाथ को मात

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। भाजपा फिलहाल बहुमत के आंकड़े से दूर है। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए बहुमत का आंकड़ा पार कर गया है। 2024 लोकसभा में इंडी गठबंधन ने एनडीए को कड़ी टक्कर दी है। इस दौरान ऐसे कई गढ़ हैं, जो इस बार ढह गए, इसमें भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य दलों की सीटें शामिल हैं।

फैजाबाद : यह सीट इस बार भाजपा के झोली से छिटककर सपा के झोली में चली गई है। पिछले दो बार के सांसद लल्लू सिंह को इस बार समाजवादी पार्टी के अवधेश कुमार ने पछाड़ दिया है। खास बात यह है कि अयोध्या में बना राम मंदिर पूरे देश में चर्चा का विषय रहा। देश भर के कई

लोगों ने राम मंदिर के नाम पर भाजपा को वोट दिया पर फैजाबाद ही भाजपा के हाथ से फिसल गया।

अमेठी : कांग्रेस का गढ़ अमेठी 2019 में भाजपा के खाते में चली गई थी। हालांकि, इस बार गांधी परिवार के खास किशोरी लाल ने सीट वापस वापस ले ली।

छिंदवाड़ा : मध्यप्रदेश में कांग्रेस का गढ़ कहा जाने वाला छिंदवाड़ा इस बार कांग्रेस के हाथ से निकलता जा रहा है। दशकों से इस सीट पर कमलनाथ परिवार का ही कब्जा रहा है। हालांकि, इस बार भाजपा के बंटी विवेक साहू ने नकुलनाथ को मात दे दी है।

राजगढ़ : मध्यप्रदेश के ही राजगढ़ से इस बार पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह चुनाव लड़ रहे थे। उन्हें इस बार भी हार का सामना करना पड़ा। सिंह पिछली बार भोपाल से चुनाव लड़े थे पर उन्हें पिछली बार भी भाजपा ने शिकस्त दी।

बहरामपुर : पश्चिम बंगाल का बहरामपुर कांग्रेस का गढ़ कहा जाता था पर इस बार टीएमसी ने उसे जीत लिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी को इस बार टीएमसी उम्मीदवार युसुफ पठान ने हरा दिया है।

बारामुला और अनंतनाग-राजौरीः जम्मू-कश्मीर की इन दोनों सीटों से जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती हार गए हैं। घाटी की सीटों से दोनों नेताओं का हारना आश्चर्यजनक है।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस का सफाया, सभी सीटों पर भाजपा की हुई जीती

भोपाल। मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 सीटों पर वोटों की गिनती अब अंतिम दौर में है। मप्र में सभी लोकसभा सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित हो गई है। इस बार कांग्रेस ने छिंदवाड़ा सीट भी गंवा दी है। मप्र में शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ही नामी चेहरे विशाल बढ़त बना चुके हैं। इंदौर में भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी और नोटा रिकॉर्ड बनाने की ओर हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 28 सीट पर जीत दर्ज की थी। छिंदवाड़ा सीट जीतकर कांग्रेस ने भाजपा को क्लीन स्वीप से रोका था। इस बार ऐसा होता नजर नहीं आ रहा। एग्जिट पोल में भाजपा के इस बार क्लीन स्वीप का अनुमान लगाया गया था।

8 लाख से ज्यादा वोटों से जीते शिवराज सिंह चौहान

विदिशा लोकसभा से भाजपा के शिवराज सिंह 8,21, 408 वोट से जीते। बीजेपी को 1116460 वोट और कांग्रेस के प्रतापभानु शर्मा को 2,95,092 वोट मिले। दमोह लोकसभा सीट के परिणाम घोषित। भाजपा के राहुल सिंह लोधी 406426 मतों के अंतर से जीते।

नर्मदापुरम लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मारी बाजी

नरसिंहपुर। नर्मदापुरम लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इस बार फिर बाजी मार ली है। भाजपा के दर्शन सिंह चौधरी 4,31,696 वोटों से जीत दर्ज की है। दर्शन को 8,12,147 मत प्राप्त हुए तो कांग्रेस के संजय को मिले 3,80,451 वोट मिले। जिसके चलते कांग्रेस को जहां हार का मुंह देखना पड़ा, तो वही भाजपा ने एक बड़ी जीत दर्ज की है।

अनमोल दावा

भाग्य के भरोसे से केवल वही लोग बैठे रहते हैं जिनके जीवन में कुछ करने के लिए प्रेरणा नहीं होती है।

जीव जंतु अउ पेड़ मन के रखा आज युवा के बड़का जिम्मेवारी हवे

उत्कर्ष कुमार सोनबोइर

हमर लोकाचार हमर परंपरा जग दुनिया म जाहिर हे, की कइसे हमन हमर धरती दाई ल महतारी कहिथन, छत्तीसगढ़ महतारी ल हर सुभ कारज म पूजथन, हमर माटी के सम्मान करथन।

जब जैव विविधता के गोठ पोठ होवत हे, तब छत्तीसगढ़ म धान के विवधता के घलो गोठ हो जथे काबर की हमर छत्तीसगढ़ ह धान के कटोरा आये, हमर इंहा हजारों किस्म के धान ह माजूद हवे, अभिचे हमर धनहा धमतरी ल दुबराज धान बर जीआई टैग मिलें हे, हमर विविध परकार के जीव जंतु हमर ठीहा बास करत हे जइसे - चिकारा, चितवा, तेन्दु, चीतल, भलुआ, नेवरा, खरहा, बगदरिया, मुडेली सांप, परेवा, गडरिया, कोयली, पतरेंगवा अउ आने आने पसु पंछी। हमर लोक परंपरा मन म रुख राई के अब्बड़ महत्म हे, चाहे छट्टी मन म कांके रुख लकड़ी के सौंध म बने कांके पानी होये या मरे के बेर खवाये, पान परसाद होये। जनम ले मरन तक येला हमन बउरथन हमन खुदे जैव विविधता के एक ठक मनका हरन। हमर लोकगीत मन म हमन अब्बड़ बउरथन जइसे 'सरई सहगौन के दाई मड़वा छवाई ले उहि पिरित उहि खाम' बिहाव गीत म दुनो जांवर जोड़ी के रिस्ता नाता मन अटूट राहे, अउ सरई रुख राई कस मजबूत उंखर नाता रिस्ता बने राहे, कहिके गावत होही। डुमर डारा ले बने मंगरोहन हमर मंगल बिहाव के चिन्हारी आये। सरई सहगौन ले घिरे बन हमर पहचान हरे, समूचा भारत म 80 परतिसत तक जैव सनसाधन हमर ठीहा हे। कोन जनि हमर पुरखा मन ये जैव सनसधान मन ल कतिक सुग्गर, ढंग ले बउरथ रिहिस होही जे हमला अतिक सुग्गर परकिरीति म फूल फुलवारी, जीव जंतु, डैना लहरावत पंछी, मन मोहिनी रूप म मिल जथे। सुवा पड़की गौरेया आज कल कोन डाहन, उड़ागेहे दिखबे नई करे, सुवा नाच ह हमर लोक नाच आये जेहा हमला सुवा ल बचाये बर बताते, सुवा लोक संदेस वाहक हरे जेला सुवा गीत मन म पिरोये हवे।

हमर लोकाचार मन, हमला हर दफे परकिरीति ले जोड़ के राखे के बुता सिखाथे। तुलसी चांवरा म दाई तुलसी ल लगाथे वोकर पूजा पस्ट करथे, येखर बिग्यानिक महत्तम घलो हे। बर,पीपल, नीम, कउहा, महुआ सबो रुख राई मन हमर धरोहर हरे जेला संजो के राखे बर पुरखा मन कहे हे। बस्तर के

गौर नाच ह बड़ सुग्गर लागथे जब माड़िया मुरिया के बाबू दल मन गौर सिंग के आभूसन, ल उरमाथे, येला बिस्व के दुरलभ नाच कहे गेहे, येकर मुकुट बनाना बड़ मुसकुल के काम, हवे फेर इंहा के जन लोक वहुँ कर डलथे, ये मुकुट जंगली जीव गौर के सिंग ह हरे। हमर बस्तर के लोक कला- डोकरा आरट, बांस सिल्प कला, फेर पीतल ले बने मूरति मन जेमा माड़िया मुरिया नरतक दल मन के सुग्गर परिधान, आदिवासी जिनगी, बन भैसा(राजकीय पसु) ले उकेरे मूरति हमर परधानमंतरी आन परदेश के मुखिया मन ल पहुनाई करत भेंट करथे।

भोजली जंवारा म हमन गहुँ, चना, अउ अइसने रिकिम रिकिम के अनाज मिंजार के बोथन, भोजली ह मितानी के तिहार घलो हरे माटी-पानी अउ हमर जिनगानी के मितानी बड़ सुग्गर हे, भोजली के दू ठक बिरवा ल कान म खोंच के जनम जनम के नाता जुर जाथे। रजुतिया म हमर बस्तर म बड़ उछहा ले गोंचा परब मनाथे जेखर रथ ह घलो रुख राई ले बनथे, समूचा बिस्व म परसिध बस्तर के दसहरा ल देखे बर बड़ दूर दूर ले लोगन आथे। हरेली तिहार के दिन बस्तर म पाट जातरा के नेंग करथे ये दिन वो पहली रुख के लकड़ी के पूजा करथे जेहा रथ बनाये म बउरे जाथे। काछन गद्दी, डेरी गड़ाई, के नेंग जोंग म हमर परकिरीति के संसाधन मन बउराथे। देवारी तिहार म मेमरी, कासी, अउ गरु गाय के गोबर हर सुभ कारज म होतेच, गोबरधन पूजा के दिन हमन हमर गाय गरु मन ल बड़ पूजथन, गाय गरु मन हमर घर के लछमी आये वोकरे जांगर तोड़ मेहनत ले हमर खेती खार मन रुमझुम रुमझुम झूमते। तीजा पोरा म हमन बैला भैसा अउ नंदी महाराज के पूजा करथन।

होरी म हमन काम दहन अउ होलिका दहन के परब मनाथन जेमा जुखा लकड़ी ल ही बउरथन अउ नवा पेड़ ल कभू नई काटन। मुरगी पालन हो, गरु गाय चराना होये, बतख, मछली पालना होये, मधु माखी ले मदरस निकालना होये सबो खेती किसानी के साधन आये। जेमा जैव विविधता देखे ल मिलथे। जब गोठ परकिरीति ले जुरे के, मर मिटे के आथे त हमर आदिवासी भाई मन सबले आघू आथे, छत्तीसगढ़ के फेफड़ा के नाव ले जाने, हसदेव जंगल ह जेमा कतको जीव जंतु के वास हे, वोला काटे ल बचाये ये छत्तीसगढ़ के आदि लोक म अब तक करतेच हे कि ये जल जंगल जमीन हमर हरे, अउ येला काटेबर नई देन।

इहि संस्कार हमर इहां कन कन म हे। बस्तर के चेंदरू अउ वोकर सेर संगवारी टेम्बो के कहिनी सब जानथे, नेतानार म जन्मे बीर सहीद गुण्डाधुर ह बस्तर के भगवान आये, उमन कतिक बहादुरी ले डरामिरि बर भूमकाल लड़ाई लडिन। हमर लोकाचार में मोला बड़ जुन्ना कहिनी के सुरता आथे, चुरकी मुरकी के, जेहा मोर दाई हर रोज रतिया कुन सुते के बेर सुनावे के कइसे चुरकी ह सांप, सेर, बोइर कांटा अउ गाय के, अपन भाई घर जात जात सेवा करे रिहिस, आये के बेर उहि मन कइसे बोइर, दूध, नागमनी, दे रहिस, ये कहिनी म हमर ले जुरे परकिरीति म वास करत चिरई चिरगुन, रुख राई मन के रक्छा सिखाथे, ये कहानी हमर लोक कथा आये, जेहर मोर जोड़ के मन तो सुनेच होही, इहि कहिनी के बाद म, टेलीफिल्म के रूप म दूरदरसन ह परसाररित करिन।

हमर इंहा तो भगवान के बास हे उमन खुदे छत्तीसगढ़ के बनदेवी अंगारमोती के रूप म बन म रहिके जीव परान के रक्छा करत हे, वोकर बहिनी बिलई माता नवा परान दे देथे, गंगा मइया कस हमन जल के पूजा करथन हमन परकिरीति बर परकिरीति ल पूजथन बुढहा देव ल सुमरथन। अउ हमर इंहा तो सफ्फा भगवान मन ह जीव जंतु म विराजथे, घुघवा म दाई लछमी, सेर के सवारी म दूरगा के, नंदी म बइठे सिवभोला, गरुड़ म त सेस नाग म सोये बिसनु, हंस के सवारी दाई गियान दायिनी के, मुसुवा म बइठे लम्बोदर, मंजूर पाक म कारतिक भगवान ह, में कहिथों के हमर ससंकिरति म जैव विवधता के रक्शा येखर ले बड़का उदाहरन कोनो अउ ठउर म नइ मिल सके। मुसुवा ल सांप खा दिहि, सांप ल मंजूर, मंजूर ल सेर अउ फेर गरु गाय हरियर घास खवइया के कइसे एके ठक सिव परिवार म कइसे मेल? इहि ताये पारिस्थितिकी तंतरा, इहि तंतरा मंतरा म तो समूचा दुनिया चलत हे, अउ ये कोनो एको ठक जीव येमा कम हो जहि त दुनिया के ये तंतरा ह डामा डोल हो जाहि।

कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर

महानगरों में पानी का मिस मैनेजमेंट, हालात हुए बेकाबू तो हरियाणा से ठनी रार

गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत हर जगह नजर आने लगती है। जलवायु परिवर्तन की वजह से पारंपरिक जल स्रोतों के सूखते जाने से यह संकट हर वर्ष कुछ बढ़ा हुआ दर्ज होने लगा है। खासकर महानगरों में पानी की समस्या गर्मी का मौसम शुरू होते ही बढ़ जाती है। दिल्ली भी इससे अछूती नहीं है। हर गर्मी में हरियाणा के साथ उसकी ठन जाती है कि हरियाणा समझौते के अनुसार उसके हिस्से का पानी नहीं छोड़ता।

इस बार भी मामला अदालत तक पहुंच गया है। पिछले हफ्ते दिल्ली सरकार ने पानी की बर्बादी रोकने के मकसद से व्यर्थ पानी बहाने वालों पर दो हजार रुपए जुर्माना लगाने का ऐलान किया। इसके लिए जल बोर्ड को दो सौ निगरानी दल गठित करने को कहा गया। पानी के बंटवारे पर अदालत का फैसला जो भी आए, पर हर वर्ष की इस स्थायी बन चुकी समस्या के मद्देनजर यह जरूरत सदा रेखांकित होती रही है कि अगर ठीक से पानी का प्रबंधन हो, तो इस समस्या से काफी हद तक पार पाया जा सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पानी के मसले पर केवल सरकार की नाकामियां गिनाने और उसके मत्थे दोष मढ़ कर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्ति पा लेने की कोशिशों से काम नहीं चलेगा। इसमें नागरिक दायित्व निर्वहन की भी जरूरत है। जब तक लोग खुद अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे कि बेवजह पानी बहाना कोई शान की बात नहीं, तब तक डंडे के जोर पर उन्हें नहीं रोका जा सकता। मगर इसका अर्थ यह भी नहीं कि इससे जल बोर्ड की जिम्मेदारियां समाप्त हो जाती हैं। जगह-जगह पाइपों के फटने से दिन भर पानी बहता रहता है।

महीनों उनकी मरम्मत नहीं हो पाती। फिर, वर्षों पहले वर्षा जल संचय के लिए दिल्ली में जलाशय बनाने की जो योजना पेश की गई थी, उस पर अपेक्षित काम नहीं हो पाया है। संगठनों के सहयोग से जल संकट से पार पाने के उपायों पर कारगर कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि जल बंटवारे को लेकर जिस तरह अनेक राज्यों के बीच अक्सर विवाद खड़े हो जाते हैं, उसके लिए भी व्यावहारिक कदम की अपेक्षा बनी हुई है।

लघुकथा

काश : मनखे सुधारे के मशीन होतिस

आज मशीनरीकरण के जुग म का का नई होत हे। खेती किसानी ले लेके मनखे के जम्मो बूता ह मशीन ले होवत हे साग भाजी फल फुल उपजाय म घलो मशीन के उपयोग होवत हे खाना पीना उठना बईठना चलना फीरना म मशीन ह सहायक हे। खेती के बूता जईसे बोअई रोपई कटाई उड़ाई अऊ त अऊ बोरा ल घलो मशीन ह सीलत हे। वोसने पानी भरई आगी बरई रोटी बनई हरदी मिरचा लहसून घलो मशीन ह पीसत हे पढ़ई लिखई गोड़बत जोड़ना घटना गुना भाग ल घलो मशीन ह करत हे। मनखे के जिन्दगी पुरा मशीन से चलत हे। श्वास ल घलो मशीन से लेके जीयत हे मशनरी जुग म मनखे कतका आगू बढ़गे हे। पर मनखे के चरिच्चर ह दिन ब दिन गिरत जात हे। भाई संग भाई लड़त हे। बेटा ह बाप संग त बहु सास संग लड़त हे। न बने सोच हे, न समझ हे। रहन सहन पहिनावा ओढ़ावा नई सुधरत हे मनखे होगे जानवर ले बदत्तर जिन्दगी जीयत हे पशु ह पशु सहि जीयत हे चिरईचुरगुन, जीवजन्तु मन अपग ढंग ले जीयत हे पर मनखे मन सहि नई जीयत हे। त मय कहिथव वैज्ञानिक मन अईसन मशीन बनातिश जेकर से मनखे मन सुधर जतिस। जतका बीगढ़हा मनखे ला मशीन म डालतेन अऊ दूसर कोति ले सुघर सुघर के निकलत जतिस त जतका बढ़िया होतिस। ऐ भगवान कोनो ल अईसने बुद्धि देदे। अऊ मनखे सुधरे के मशीन बना डारो तेकर ले मनखे मन सहज ढंग ले सुधर जतिस।

आनंद राम सार्वा
कु.बो.भाठागांव

मन में बसे हैं राम -167: भगवान विष्णु की अग्नि आकृति में आया एक विशेष परिवर्तन

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

हवन की अग्नि में निर्मित भगवान विष्णु की आकृति को देखकर श्री राम और सीता जी के दोनों हाथ जुड़ गए। अद्भुत दृश्य है यह ।

श्री राम मानव रूप में हैं और भगवान विष्णु अपने चतुर्भुज रूप में। श्री राम नर रूप में पूर्णतः विनीत और विनम्र हैं। श्री हरि विष्णु का अवतार होने के बाद भी उन्होंने स्वयं को कभी भी भगवान घोषित नहीं किया और वे नर रूप में जन सेवा, परोपकार, दयालुता, स्वाभिमान और वीरता के जीवंत स्वरूप में एक आदर्श मनुष्य का जीवन जी रहे हैं।श्री राम के वामांग में बैठी हुई सीता जी ने श्री नारायण को प्रणाम किया।

अचानक श्री विष्णु की अग्नि आकृति के स्थान पर एक विचित्र आकृति बन गई।

''यह क्या स्वामी? श्री हरि विष्णु की आकृति सिर पर जटा धारण किए हुए एक तपस्वी के आकार में क्यों परिवर्तित हो गई है?'' सीता जी आश्चर्य से कह उठीं।

श्री राम ने ध्यान से देखा। यह एक तापस की आकृति है और उनके हाथों में अग्नि की रेखाओं से निर्मित होने वाला धनुष बना है। देखते ही देखते अग्नि की रेखाओं से बनी यह आकृति भी अग्नि की लपटों में परिवर्तित हो गई।

जानकी जी ने पूछा, ''यह कैसी आकृति निर्मित हुई है आर्यपुत्र? श्री हरि विष्णु की आकृति ने अचानक ऐसा रूप क्यों ले लिया?''

श्री राम भी इसका रहस्य समझ नहीं पा रहे हैं। फिर भी उन्होंने अपना अनुमान व्यक्त करते हुए कहा, ''प्रतीत होता है सीते, कि यह कोई संकेत है।''

''कैसा संकेत?'' सीता जी ने पूछा।

''इस अग्नि आकृति वाले तापस की आने वाले दिनों में कोई महत्वपूर्ण भूमिका होगी।'' श्री राम ने कहा।

सीता जी के मुख पर चिंता की रेखाएं दिखाई देने लगीं।वे सोचने लगीं कि श्री राम के अभिषेक के प्रसंग में यह किसी ऋषि - तपस्वी की आकृति दिखाई देने का क्या अर्थ हो सकता है? और वह भी धनुष धारण किए हुए...।

श्री राम ने उनसे विनोद करते हुए कहा, ''चिंता क्यों कर रही हो जानकी? अगर शेषशायी नारायण का यही संकेत है, तो राम के लिए एक तपस्वी बन जाना कोई कठिन नहीं है। वैसे गुरु विश्वामित्र के साथ अपनी पिछली यात्रा के दौरान हम दोनों भाइयों ने तपस्वी जैसा ही जीवन जिया था और मेरे जीवन में तब जाकर तुमसे भेंट हुई थी जानकी।''

सीता जी ने कहा, ''तपस्वी जीवन....यह कैसी बातें करने लगे देव? शुभ - शुभ बोलिए।''

हंसते हुए श्री राम ने कहा, ''तो आओ सीते! इस प्रसंग को छोड़ें। अब इस अनुष्ठान को पूरा किया जाए।'' श्री राम और सीता ने पुनः आहुतियों का क्रम प्रारंभ किया।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं।लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक साधारण भक्त की अपनी कल्पनादृष्टि से रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

शब्द सामर्थ्य -078

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 077 का हल

सू- दोकू क्र. 078

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.077 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

सामयिक चर्चा

राजनांदगांव को चाहिए किशोरी लाल

खबर पढ़ते ही,
एकदम आश्चर्यचकित होकर
बानी बोल उठे-''सुनिए तो गजाधर!
छह जिलों में पुलिस पब्लिक स्कूल,
पर लगातार पंद्रह साल तक
मुख्यमंत्री रहने वाले
राजनांदगांव के विधायक
और मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष
डॉ. रमन सिंह का राजनांदगांव
पुलिस पब्लिक स्कूल से बाहर!
गजाधर! ऐसे अंधेर पर,
आप क्या कहते हैं?''
गजाधर मुस्कराए, बोले-
''हमारे राजनांदगांव के विधायक
डॉ. रमन सिंह भी तो
वर्षों से बाहर रहते हैं।
तभी गृहस्थ गिरधारी उच्छवास भरकर
बोल उठे- ''हमारे राजनांदगांव की तो
भैया! जब-तब ऐसई,
होते ही रहता है, बुरा हाल।''
गजाधर गंभीर हुए, बोले-
अब हमारे राजनांदगांव को
चाहिए एक किशोरी लाल।''

-गिरीश बख्शी

कविता

आओ धरती का श्रृंगार करें

कब तक जंगल काटोगे?
चंद सिक्कों के लालच में।
कब तक जहर बाँटोगे?
चंद रूपयों के लालच में।।
काट रहे हो हरियाली,
बना रहे हो बंजर धरती।
अन्न कहाँ से पाओगे?
बिन पानी खेती परती।।
तुम्हारे घर भी जलेंगे,
उस सूरज की तपिश में।
तुम्हारे श्वांस भी रुकेंगे,
जीवन की खलिश में।।
क्या तेरे दर आँच न आएगी?
तेरा मकां भी है इसी शहर में।
ढह जाएगा तेरा भी घर,
उस कुदरत के कहर में।।
तप रही है सारी धरती,
तप रहा सारा आकाश।
समय रहते हों सचेत,
वरना होगा महाविनाश।।
जब तरु ही न रहेंगे भू पर,
वर्षा कहाँ से आएगी ?
बिन छाया, बिन पानी,
धरती तब थर्रायेगी।।
आओ धरती का श्रृंगार करें,
मिलकर पेड़ लगाएँ हम।
हरी-भरी हो धरा हमारी,
जीवन सफल बनाएँ हम।।

महेन्द्र कुमार साहू ''खलारीवाला''
गुण्डरदेही बालोद छ.ग.

राशिफल

मेष — आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। इस राशि के जो लोग पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। सही दिशा में मेहनत करेंगे जिससे ज्यादा काम निपटा लेंगे। आज आपको किसी संस्था द्वारा सम्मानित किया जा सकता है।

वृषभ — आज अचानक धन लाभ हो सकता है। जिससे आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। अगर आप कोई नया वाहन खरीदने की सोच रहें है, तो राहुकाल देखकर ही खरीदें। घर में खुशियों का आगमन होगा। आज आपकी व्यावहारिक प्रवृति को देखकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। आज फिल्म इंडस्ट्री से ऑफर आ सकता है।

मिथुन — आज किस्मत आपके साथ रहेगी। कारोबार में आ रही दिक्कतें आज समाप्त हो जायेगी। धनलाभ के नये रास्ते नजर आयेंगे। अगर आज घर में किसी पार्टी का आयोजन कर रहे हैं तो सभी को दावत दें। आज किसी ऐसे व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी, जो आपको बिजनेस में काफी फायदा कराएगा।

कर्क — आज का दिन फायदेमंद रहेगा। बिजनेस को लेकर आपको कोई अच्छी डील मिलेगी। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसीमजाक होगा साथ ही कहीं पार्टी करने जाएंगे। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स को आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ईमेल आएगा। छात्र अपने करियर को लेकर सोच विचार करेंगे।

सिंह — आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कोई व्यक्ति आपके करियर के लिए खास हो सकता है। इस राशि के नवविवाहित आज समारोह में जाएंगे। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। किसी नये व्यापार में मातापिता की राय कारगर साबित होने वाली है। स्टूडेंट्स का पढ़ाई में मन लगेगा।

कन्या — आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज आपकी क्रिएटिविटी से लोग प्रभावित होंगे। आपका मानसम्मान लोगों में पहले से ज्यादा बढ़ेगा। आज जॉब में प्रमोशन के चांस बन रहे है। ऑफिस में आज सहकर्मियों के साथ अंडर स्टेंडिंग बढ़ेगी। आज किसी बिजनेस डील के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। धन लाभ के आसार बन रहे हैं।

तुला — आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप अपनी प्रतिभा को सही ढ़ग से निखार पाएंगे। आज राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छे परिणाम लेकर आने वाला रहेगा। आज आप बड़ी से बड़ी समस्या का हल आसानी से निकाल लेंगे। आज अपने स्वास्थ्य का सही ढंग से ध्यान रखें।

वृश्चिक — आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी होगी। दूसरे शहर रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को आज कोई बड़ी सफलता मिलने के आसार नजर आ रहे है। आज किसी अपरिचित व्यक्ति से बिना वजह ना उलझे। आज प्रियजनों के साथ किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे।

धनु — आज का दिन खुशियों भरा रहेगा। छोटे बच्चों को आज पिता से कोई गिफ्ट मिल सकता है। आज घरवालों के साथ कहीं घूमने भी जा सकते हैं। आज बिजनेस में बढ़ोत्तरी के चांस हैं। परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान बना सकते है। शाम को दोस्तों के साथ पार्टी करने जा सकते हो। आपके व्यापार में दो गुना वृद्दि हो सकती है।

मकर — आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। आज ऑफिस के कार्यों में आपका मन लगेगा। किसी नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए आज का दिन शुभ है। लवमेट के लिए आज रिश्ते में मिठास भरने का दिन है।

कुंभ — आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं। आज आपको कई दिनों से रूके हुए काम में सफलता मिल सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए, धैर्य के साथ काम करें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा।

मीन — आज का दिन बेहतरीन रहेगा। किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेनदेन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांचपड़ताल जरूर कर लें। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय मधुर भाषा का प्रयोग करें। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा है। जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर डिनर पर जा सकते हैं।

छोटे-छोटे कदमों से एक बड़े परिवर्तन का आगाज...

० मिशन जल रक्षा जल संरक्षण की दिशा में कारगर कदम
० जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण की दिशा में की गई
० व्यापक तौर पर पौधरोपण करने के लिए कार्ययोजना की जा रही तैयारी

जिले के नागरिकों में जल संरक्षण के प्रति सजगता और जुनून

राजनांदगांव (दावा)। छोटे-छोटे कदमों से एक बड़े परिवर्तन का आगाज होता है। जल संरक्षण की दिशा में जिला प्रशासन की ओर से मिशन जल रक्षा अंतर्गत कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। भीषण गर्मी, बढ़ते हुए तापमान, ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण भू-जल का स्तर तेजी से घटने लगा है। राजनांदगांव जिले में सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट अनुसार 3 ब्लॉक राजनांदगांव, डोंगरगांव एवं डोंगरगढ़ अपने जल स्तर के परसेमी क्रिटीकल जोन अर्थात् गंभीरता के स्तर में आ चुके हैं। जिले के 85 प्रतिशत भू-जल का उपयोग अभी तक सिंचाई के लिए किया जा चुका है। जल का इतना अधिक दोहन भविष्य के लिए जल संकट की एक दस्तक है। समय रहते इसका समाधान नहीं किया गया तो इसके दुष्परिणाम जल संकट के रूप में सामने आएगा। 13 प्रतिशत घरेलू उपयोग के लिए एवं 2 प्रतिशत उद्योगों के लिए किया जा रहा है।

प्रदेश में राजनांदगांव जिला सर्वाधिक भू-जल का उपयोग वाले जिलों में से एक है। जिले का औसतन वर्षा माप 1208 मि.मी. के लगभग है तथा सिंचाई के लिए मूल रूप से 50 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र बोर एवं ट्यूबवेल पर निर्भर है। इन्हीं बातों के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण की दिशा में प्रभावी पहल की गई है। इसके लिए जिले के नागरिकों का जल संरक्षण के प्रति सजगता और जुनून जरूरी है, ताकि समय रहते इस समस्या का समाधान हो सके। कलेक्टर संजय अग्रवाल के नेतृत्व तथा जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार जल संरक्षण की दिशा में व्यापक पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम उत्साह, ऊर्जा एवं प्रतिबद्धतापूर्वक इसके लिए कार्य कर रही है।

इन सभी आंकड़ों को देखते हुये भविष्य में बढ़ते पानी की समस्या, बढ़ता हुआ तापमान एवं घटते भू-जल स्तर में सुधार हेतु जिला प्रशासन राजनांदगांव द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं, जिसमें मिशन जल रक्षा अंतर्गत जिले के सम्पूर्ण क्षेत्रों में माइक्रो लेवल पर प्लानिंग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये ओपन सोर्सेज के नक्शों का तथ्यात्मक आंकलन करते हुये जीआईएस आधारित योजना तैयार की गई है। जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम किसी भी क्षेत्र में कार्य करने के लिए आवश्यक शासकीय भूमि का आंकलन अनिवार्य होता है, जिस हेतु भुईयां सॉफ्टवेयर के माध्यम से ग्राम पंचायतों के शासकीय भूमि का नक्शा निकाल कर भूमि को चिन्हांकित किया गया। जिसके पश्चात भुईयां मैप पर कंटूर मैप एवं टोपोग्राफी मैप सुपर इंपोज करते हुये ग्राम पंचायतों की ऊंची पहाड़ी वाली क्षेत्रों एवं लो-लाईन वाले क्षेत्रों का चिन्हांकित करते हुए नक्शा तैयार किया गया। सामान्य रूप से इस बात को समझा जा सकता है, कि पहाड़ी क्षेत्रों में पानी का रूकना संभव नहीं होता इस हेतु उन क्षेत्रों में भू-जल संवर्धन वाले रिचार्ज संरचनाओं की योजना तैयार की गई तथा लो लाईन अर्थात् पानी के जमाव वाले क्षेत्रों में जल संरक्षण वाले संरचनाओं की योजना तैयार की गई। जिसके पश्चात जिले का जियोलॉजी मैप तैयार करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किस प्रकार के खनिज किन क्षेत्रों में पाये जाते हैं, ऐसे खनिज क्षेत्र जो पानी को ज्यादा से ज्यादा रिचार्ज कर सके की जानकारी निकाली गई तथा सरफेस एवं सबसरफेस लेवल पर पानी के रिचार्ज के संबंध में आंकलन किया गया।

जिले का ड्रेनेज मैप तैयार करते हुये पानी के बहाव एवं पाथ की जानकारी एकत्रित की गई तथा इस नक्शे को कंटूर मैप, भुईयां मैप एवं जियोलॉजी मैप पर सुपर इंपोस (एक के ऊपर एक रखते हुये) करते हुये जिले के ड्रेनेज पैटर्न का डाटा तैयार किया गया। तत्पश्चात भुवन पोर्टल के माध्यम से जिले का लिनियामेंट फ्रैक्चर जोन मैप निकालकर ऐसे स्थल जहां से लिनियामेंट गुजरता हो को चिन्हांकित किया गया अर्थात ऐसे क्षेत्र जहां जमीन के नीचे ऐसी गैप उपलब्ध है, जहां से पानी का ज्यादा से ज्यादा रिचार्ज किया जा सकता है को ग्राम पंचायत के मैप पर अंकित किया गया। जिसके पश्चात संरचनाओं की पुख्ता लोकेशन की जानकारी के साथ निर्माण कार्यों के लिए योजनाबद्ध तरीके से संरचनाएं तैयार किये जाने हेतु जानकारी तैयार की गई। जिसके साथ-साथ ग्राम पंचायतों में पूर्व से निर्मित समस्त जल संरक्षण संवर्धन संबंधित संरचनाओं को लोकेशन के साथ जियोटैग करते हुये नक्शा तैयार किया गया। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड रायपुर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर से योजना के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुये चरणबद्ध तरीके से किये जा रहे कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया गया। जिस पर सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड रायपुर एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर द्वारा इस वैज्ञानिक जीआईएस पद्धति को सही बताते हुये आगे सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु सहमति व्यक्त की गई।

जिले में अब तक मिशन जल रक्षा अंतर्गत 2250 से अधिक मिनी परकोलेशन टैंक का निर्माण,ढाई लाख से अधिक स्ट्रैगर ट्रेंच का निर्माण, 5349 से अधिक पुराने जल संरक्षण संबंधी संरचनाओं की जियो टैगिंग, 981 सीसीटी, 100 से अधिक गैबियन स्ट्रक्चर, 800 से अधिक एलबीसीडी, 564 से अधिक ड्रेनेज नेटवर्क, 3000 से अधिक लीचपिट, 20000 से अधिक सोकपिट का निर्माण किया गया है। कार्य योजना के तहत कार्य निरंतर संचालित है, जिसमें जिले में समस्त विभागों से अभिसरण के तहत कार्य करते हुए जिले के जल स्तर वृद्धि में बेहतर प्रयास किये जा रहे हैं। समस्त आंकड़ों, नक्शों, रिपोर्ट एवं फील्ड सर्वे के आंकलन से यह बात निकल कर आई है, कि जब तक कम से कम पानी के उपयोग वाली फसलों को बढ़ावा नहीं दिया जायेगा तथा द्वितीय फसल के रूप में धान को छोड़ अन्य फसलों पर जोर नहीं दिया जाएगा तब तक पानी की आने वाली समस्या से आसानी से निजात पाना आसान नहीं होगा। जिसके अगली कड़ी के रूप में जिला प्रशासन द्वारा किसानों, कृषि उद्योग से संबंधित उद्योगपतियों, कृषि उत्पादन संगठन, सीएलएफ एवं कृषि संबंधित अन्य व्यक्तियों को आमंत्रित कर एग्रीकल्चर मीट का आयोजन किया गया। जिसमें राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई तीनों ही जिले के लोग सम्मिलित हुये। कार्यक्रम अंतर्गत कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा धान के बदले अन्य फसलों एवं उद्यानिकी उत्पाद के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। किसानों को धान एवं अन्य फसलों में होने वाले व्यय, मेहनत एवं आय के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुये कृषि उत्पाद से संबंधित उद्योगपतियों से सीधे संपर्क हेतु अवसर प्रदान किये गये। जिसके तहत बड़े किसान समूह अपने उत्पाद को सीधे उद्योगों तक अच्छे दर पर बेचने के लिये सक्षम हो सके। जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में कृषि विभाग, पंचायत विभाग, उद्यानिकी विभाग के संयुक्त प्रयासों के रूप में जल संरक्षण स्वच्छता एवं फसल संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन कर ग्राम के समस्त नागरिकों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं को घटते जल स्तर, फसल चक्र में परिवर्तन, अन्य फसलों से होने वाले लाभ तथा मिशन जल रक्षा की सम्पूर्ण जानकारी एवं कार्ययोजना का विवरण प्रदान करते हुये ग्रामीणों से सुझाव प्राप्त कर अपने कार्ययोजना के नक्शे को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है। जिसके पश्चात जिले अंतर्गत जल्द ही वृहद स्तर पर वृक्षारोपण की कार्ययोजना तैयार करते हुये ब्लॉक वृक्षारोपण, नदी तट वृक्षारोपण, सड़क किनारे वृक्षारोपण, क्लोस्ड कैम्पस शासकीय भवनों में वृक्षारोपण की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही साथ समस्त निजी स्कूलों, कॉलेजो, उद्योगों एवं कॉलोनियों आदि से अधिक से अधिक वृक्षारोपण हेतु अपील करते हुये जिला राजनांदगांव में भू-जल स्तर सुधार हेतु मिशन जल रक्षा अंतर्गत प्रयासरत है।

खैरागढ़ विधानसभा में भी खिला कमल, संतोष पांडे ने 5 हजार से अधिक निर्णायक मतों से दर्ज की जीत

खैरागढ़ में करारी हार के गम में डूबे कांग्रेसी, विधानसभा के तीन ईवीएम मशीन में खराबी के बाद आया व्यवधान

० पहले राउंड के बाद पिछड़ी कांग्रेस लगातार पीछे ही रही
० जीत के बाद भाजपा खेमे में जश्न का माहौल

खैरागढ़ (दावा)। देश में 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में राजनांदगांव लोकसभा सीट के खैरागढ़ विधानसभा में भी कमल खिल गया है। भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के भूपेश बघेल को 5 हजार से अधिक निर्णायक मतों से पछाड़कर शानदार जीत दर्ज की है। जीत के बाद भाजपा खेमे में बडे जश्न का माहौल है वहीं खैरागढ़ में करारी हार के साथ समूचे राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में हार के कारण कांग्रेसी गम में डूबे हुये है।

पहले चरण में 173 मतों से जीती कांग्रेस बाकी सभी 21 चरण तक बढ़त नहीं बना पायी

सुबह 8:00 बजे खैरागढ़ के पिपरिया स्थित वेयर हाउस के मतगणना स्थल पर वोटों की गिनती शुरू होने के बाद कांग्रेस को पहले चरण में 173 मतों की जीत मिली लेकिन इसके बाद भाजपा ने लगातार अपनी बढ़त बनाई रखी और 5 हजार से अधिक निर्णायक मतों से भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे ने अपने निकटतम कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल को निर्णायक मतों से पराजित कर दिया है।

21 में से 13 चरणों में भाजपा ने दर्ज की शानदार जीत

खैरागढ़ विधानसभा के 21 चरण की मतगणना में भाजपा ने कुल 13 चरणों में शानदार जीत दर्ज की है वहीं कांग्रेस केवल आठ चरण में मामूली बढ़त ही बना पायी। कांग्रेस के भूपेश बघेल ने पहला (173), तीसरा (36), दसवां (2589), तेरहवां (225), चौदहवां (1118), पंद्रहवां (499) व अठारहवां चरण (394) मतों के मामूली अंतर से जीता वहीं भाजपा ने दूसरा (365), चौथा (1034), पांचवां (200), छठवां (1050), सातवां (1984), आठवां (430), नवमा (20), दसवां (2589), ग्यारहवां (2516), बारहवां (2452), सोलहवां (521), सत्रहवां (543), उन्नीसवां (161) व बीसवां चरण (53) मतों से जीता और कुल 5842 निर्णायक मतों से श्री पाण्डेय ने खैरागढ़ विधानसभा से बढ़त बनाई।

विधानसभा के गंडई पंडरिया, खपरी और जुनवानी की ईवीएम मशीन में आयी खराबी

खैरागढ़ विधानसभा के मतों की गिनती के दौरान बूथ क्र. 79 गंडई पंडरिया, बूथ क्र. 171 खपरी और बूथ क्र. 240 जुनवानी की ईवीएम मशीन में आयी तकनीकी खराबी के कारण अंतिम आंकड़ों को लेकर रात तक इंतजार करना पड़ा। बताया जा रहा है कि गंडई पंडरिया के बूथ क्रमांक 79 में कुछ तकनीकी कारणों से मतदान के दौरान वहां तैनात महिला मतदान कर्मियों ने सीआरसी की प्रक्रिया पूरी नहीं की थी वहीं बूथ क्र.171 खपरी और बूथ क्र.240 जुनवानी की ईवीएम मशीन में आयी तकनीकी खराबी के कारण व्हीव्ही पैड से मतों की गिनती की गई जिसके बाद खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के संतोष पांडे को 5959 वोट से विजयी घोषित किया गया है।

सीमेंट प्लांट में मची खलबली, मैनेजर का खून से सना शव मिला

एक अधिकारी गिरफ्तार

भिलाई(दावा)। भिलाई में नंदिनी रोड चौक स्थित अडानी एसीसी सीमेंट प्लांट के मैनेजर आर. बाल राजू (51) की कंपनी के भीतर ही सोमवार को हत्या कर दी गई। प्रबंधन ने जामुल पुलिस को बताया कि उनके अधिकारी की संदिग्ध मौत हुई है।

इसके बाद पुलिस ने शंका के आधार पर आधा दर्जन कर्मियों से पूछताछ की। उसके बाद सब-एचओडी संजय तिवारी को हिरासत में लिया है। पुलिस हत्या की वजह तलाश रही है। वहीं परिवार ने मंगलवार को चर्चा के बाद पीएम कराने की बात कही। घटना के बाद पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

यहां पर मिली खून से लथपथ लाश

मृतक के परिजनों ने बताया कि कोल हैंडलिंग प्लांट के एचओडी आर बाल राजू की लाश प्लांट के रिक्लेमर साइड में सुबह करीब 10 बजे मिली। वे ड्यूटी में सुबह 8 बजे पहुंचे थे। यह गली है, जहां से जाना आना किया जाता है। वे मुंह के बल प्लास्टिक पाइप पर गिरे थे। वहां खून फैला था। वहीं सिर के पीछे हिस्से में गहरी चोट के निशान है।

परिजनों के मुताबिक कान में भी चोट के निशान है। जबकि वे प्लांट में हेलमेट भी पहने हुए थे। परिजनों ने आशंका जताई है कि आरोपी ने पीछे से सिर पर किसी लोहे की वस्तु से वार किया है। जिससे सिर के पीछे हिस्से में गंभीर चोट लगी और वे सामने गिर गए। आर बाल राजू पहले सीमेंट प्लांट में नौकरी करता था। इसके बाद उसका बरगढ़ ओडिशा तबादला हो गया। इस बीच उनकी पत्नी बीमार हो गई, तो इलाज करवाने के लिए वापस भिलाई तबादला करवा लिया था। दो साल पहले बीमार पत्नी की मौत हो गई। वह अपने 9 और 15 साल की दो बेटियों की देखभाल कर रहा था। अब उसकी हत्या हो जाने से, बच्चों के सिर से मां के बाद पिता का साया भी उठ गया है।

सेवानिवृत्ति पर चिकित्साकर्मी को दी गई विदाई

बांधाबाजार (दावा)। समीपस्थ ग्राम गैंदाटोला के शासकीय पशु चिकित्सालय केंद्र में कार्यरत पट्टी बंधक बरातूराम मलगामे की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस दौरान प्रभारी चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. अशोक जैन, डॉ. नेहा, मानसी, उपासना, खिलेश्वरी एवं अन्य कर्मियों ने उपहार सामग्री भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. जैन ने कहा कि हमारे सहयोगी बरातु राम मलगामे पशुओं के प्रति काफी सजग रहता था उनके कार्य को भुलाया नहीं जा सकता। सेवा भावना इनमें काफी देखने को मिला। इसके कार्य से अन्य कर्मियों को सीखने का अवसर प्रदान हुआ। लेकिन सरकारी कार्य में नियमानुसार सभी को एक न एक दिन सेवानिवृत्ति होना ही है। सभी ने बरातूराम मलगामे को दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में कोसारे मैडम, मेश्राम जी, रावटे जी, ठाकुर जी, मंडलोई जी, तिलेश्वर, पंचलाल, गणेश, ओमप्रकाश, लेखराम, मनीष ऋषि, देवांगन जी सहित पशुधन विकास विभाग के समस्त स्टाफ मौजूद थे। यह जानकारी भूपेंद्र कुमार मलगामे ने दी।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

डोंगरगांव(दावा)। क्षेत्र के अड़ाम (आसरा) गांव स्थित नवनिर्मित हनुमान मंदिर में गुरुवार को महावीर हनुमान जी की प्रतिमा की वैदिक मंत्रोचार से प्राण प्रतिष्ठा की गयी।

इसके लेकर क्षेत्र में भव्य कलश यात्रा निकली गयी। इसमें झांकियां भी सजायी गयी थी, जो आकर्षण का केंद्र बनी रही। आरती के बाद श्रद्धालुओं ने कलश में जल भर वहां से गाजे-बाजे के साथ जयकारा लगात हुए गांव में भ्रमण कराया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं-पुरुष सहित युवतियां व युवक शामिल रहे, जो रंग- विरंगे वस्त्र धारण कर हाथ में पताका लिये चल रहे थे। फिर नवनिर्मित हनुमान मंदिर पहुंचकर यह समाप्त हुई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ प्राण प्रतिष्ठा की गयी। प्राणप्रतिष्ठा के तहत मूर्ति का जलाभिषेक, अन्नाधिवास व दोपहर बाद पूजन आयोजित किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान पूर्णाहुति व हवन का कार्यक्रम अनवरत चलता रहा। हवन के बाद भोजन प्रसादी कराया गया। वहीं राम मानस ज्ञान सम्मेलन का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रामलाल चंद्रवंशी (शिक्षक), घनशुराम चंद्रवंशी एवं समस्त ग्रामवासी के सहयोग से किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करने वाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया

मोहला (दावा)। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 78 मोहला मानपुर के अंतर्गत निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कलेक्टर ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों, अभ्यार्थियों, निर्वाचन में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, मतदान एवं मतगणना दिवस पर नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, जिले के नागरिक गणों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों, जनसम्पर्क विभाग, महिला बाल विकास विभाग (डाक मत पत्र), आयकर विभाग, जिला एवं पुलिस प्रशासन, सुरक्षा में लगे जवानों, जिला बल, केंद्रीय पुलिस बल और आई टी बी पी के जवानों, परिवहन में लगे लोगों, संचार में सहयोग के लिए बीएसएनएल दूरसंचार कंपनी, समेत सभी निर्वाचन गतिविधियों में भाग लेने वाले समस्त विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने कहा कि सभी के सहयोग से जिले में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन कार्य संपन्न हो सका है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान सभी ने जिले की गरिमा को बनाये रखने में अपना योगदान दिया है। उन्होंने सभी के प्रति निर्वाचन कार्य को संपन्न करने के लिए दियें गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

गोदाम में रखे सेंट्रिंग प्लेट सामान को चोरी करने वाले चोरों को पकड़ने में पुलिस कामयाब

डोंगरगढ़ (दावा)। जयस्तंभ चौक निवासी प्रार्थी अनिल कुमार गट्टानी पिता स्व. प्रकाशचंद गट्टानी उम्र-58 साल निवासी डोंगरगढ़ के गोदाम इंदिरा नगर, बीड़ी कालोनी के पास डोंगरगढ़ में स्थित है। जिसके अंदर पीछे भाग में लगभग 150 नग लोहे का सेन्ट्रिग प्लेट एवं 60 नग लोहे का पाईप, लोहे का चैन, एंगल के अलावा ठेकेदारी से जुड़े अन्य सामान कीमत लगभग 120000 रू. को रखा हुआ था। प्रार्थी दिनांक 02 जून को सुबह गोदाम गया तो देखा कि गोदाम में रखे सेन्ट्रींग सामान चोरी हो गया है। जिसकी रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़ में धारा-457, 380, 411 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अज्ञात आरोपी के पता तलाश एवं विवेचना हेतु पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम से विवेचना हेतु दिशा-निर्देश प्राप्त कर तत्काल निरीक्षक सी.आर.चन्द्रा द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये अलग-अलग टीम बना कर घटना क्षेत्र के संदेहियों से पुछताछ कर एवं तकनिकी साक्ष्य की मदद से अज्ञात आरोपियों के पता तलाश में जुट गये। जिससे सेन्ट्रींग प्लेट चोरी करने वाले आरोपी उज्जवल शेण्डे पिता सुनील शेण्डे उम्र 24 साल निवासी डोंगरगढ़, राजू मेश्राम पिता स्व. दौलत मेश्राम उम्र 35 साल निवासी डोंगरगढ़, सरताज हुसैन पिता स्व. ईकबाल हुसैन उम्र 24 साल निवासी अछोली थाना डोंगरगढ़ एवं 02 नाबालिग बालकों को पकड़कर चोरी के सेन्ट्रींग प्लेट सामानों को जप्त कर आरोपीगण को गिरफ्तार कर एवं अपचारी बालकों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया गया है एवं घटना के अन्य फरार आरोपियों का पता तलाश की जा रही है मिलने पर गिरफ्तारी कार्यवाही की जायेगी। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक सी.आर.चन्द्रा, सउनि एम कुरैशी, प्र.आर. अखिल अम्बादे, आरक्षक प्रयंश सिंह, चन्द्रकांत सोनी, मनोज हरमुख, लीलाधर मण्डलोई का विशेष योगदान रहा है।

भिलाई की मौत, फैक्ट्री एरिया में मिली लाश

भिलाई (दावा)। भिलाई के हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। युवक के शव को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला की मरचुरी में रखवा दिया गया है।

परिजनों ने लू से मौत की आशंका जताई है। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चल पाएगा। संजय वर्मा ने बताया कि खुर्सीपार और हथखोज से लगता ट्रांसपोर्ट नगर है। वहां खुर्सीपार बालाजी नगर निवासी रंजीत कुमार उर्फ धन्नू (40 साल) पेंटर का काम करता है। वो रोज की तरह रविवार सुबह भी घर से काम के लिए निकला था। शाम को अचानक फोन आया कि आपके परिवार का आदमी खत्म हो गया है।

जब परिजन वहां गए तो उसकी पहचान धन्नू के रूप में की। संजय का कहना है कि उन्होंने शव की पहचान करने के बाद उसे देर रात सुपेला स्थित मरचुरी में रखवा दिया है। धन्नू की मौत कैसे हुई इसका पता नहीं चल रहा है। कुछ लोग लू बता रहे हैं तो कुछ अन्य कारण। पुलिस इसका पता लगाएगी। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चल पाएगा।

पहला कॉलम...

कवि अहमद फरहाद शाह की जमानत याचिका खारिज की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कवि और पत्रकार अहमद फरहाद शाह को मंगलवार को अदालत से झटका लगा है। यहां के मुजफ्फराबाद शहर की एक आतंकवाद निरोधक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शाह की पत्नी उरूज जैनब का कहना है कि वह इस फैसले को चुनौती देंगी। साथ ही पत्रकारों से कहा कि अभी तक यह नहीं बताया गया है कि आखिर जमानत क्यों खारिज की गई है। अपनी विद्रोही कविताओं के लिए मशहूर फरहाद हाल ही में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध-प्रदर्शन के दौरान लापता हो गए थे। 14 मई को रावलपिंडी से लापता होने के एक दिन बाद उनकी पत्नी उरूज जैनब ने उन्हें खोजने के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया था कि उनके पति दो हफ्ते से गायब हैं और रावलपिंडी स्थित घर से उनका अपहरण कर लिया गया था।

स्वितोलिना को हराकर रिबाकिना क्वार्टरफाइनल में

पेरिस। चौथी सीड एलेना रिबाकिना ने 15 वीं सीड एलिना स्वितोलिना को मात्र 69 मिनट में 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। रिबाकिना का अगला मुकाबला 12 वीं सीड जैस्मिन पाओलिनी से होगा, जिन्होंने एलिना अवनेस्यान को 4-6, 6-0, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम आठ में जगह बनाई। रिबाकिना का ओवरआल यह पांचवां ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है और पिछले वर्ष विम्बलडन के बाद यह पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। रिबाकिना का 2024 में यह कुल नौंवां क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने तीन डब्लूटीए टूर खिताब जीते हैं और उनका ओवरआल रिकॉर्ड 34-5 पहुंच गया है। रिबाकिना ने स्वितोलिना के खिलाफ मैच में पांच एस सहित 26 विनर्स लगाए। युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने मुख्य ड्रा में आखिरी फ्रेंच महिला वावरवा ग्राचेवा को 7-5, 6-2 से सोमवार को प्री क्वार्टरफाइनल में हराया। हाल में 17 वर्ष की हुई एंड्रीवा का सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका से मुकाबला होगा।

प्राग्नानंदा ने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर एक और अपसेट किया

स्टावेंजर (नॉर्वे), 04 जून। भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर प्राग्नानंदा ने सोमवार को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर एक और बड़ा उलटफेर किया। यह टूर्नामेंट में उच्च रैंक वाले खिलाड़ियों के खिलाफ प्राग्नानंदा की तीसरी जीत थी। इससे पहले, उन्होंने मैग्नस कार्लसन और फैबियानो कारुआना को हराया था। नॉर्वे शतरंज ने इस मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, जीएम प्राग्नानंदा ने विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और विश्व नंबर 2 फैबियानो कारूआना को उनके क्लासिकल गेम में हराया और अब उन्होंने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को उनके आर्मगेडन गेम में हराया। अन्य क्लासिकल बाजियों में, मैग्नस कार्लसन को हिकारू नाकामुरा के खिलाफ अपना आर्मगेडन गेम गंवाना पड़ा। दूसरी ओर, फैबियानो कारुआना और अलीरेजा फिरोजा ने अपना आर्मगेडन गेम ड्रॉ किया। सातवें राउंड के बाद, कार्लसन 13 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं नाकामुरा 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि प्राग्नानंदा 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

इजरायल के सैन्य ठिकानों पर हिजबुल्ला ने किया ड्रोन हमला

बेरूत। गाजा युद्ध के दौरान पहली बार लेबनान के हिजबुल्ला संगठन ने इजरायल के सैन्य ठिकानों पर ड्रोन से बड़ा हमला किया। हिजबुल्ला ने ड्रोन की पूरी स्क्वाड्रन इजरायल पर हमले के लिए भेजी थी। इससे हुए जान-माल के नुकसान की अभी पुष्ट सूचना नहीं मिली है। वैसे इनमें से ज्यादातर ड्रोन को इजरायल के डिफेंस सिस्टम ने आकाश में ही मार गिराया। ईरान समर्थित सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला गाजा के संगठन हमास के समर्थन में इजरायल पर आठ अक्टूबर, 2023 से लगातार हमले कर रहा है। इजरायल भी संगठन के लेबनान स्थित ठिकानों पर लगातार जवाबी हमले कर रहा है। इजरायली सेना ने सोमवार को हिजबुल्ला के कई ठिकानों को हवाई हमलों में भारी नुकसान पहुंचाने और उसके कमांडर अली हुसैन साबरा को मारे जाने की जानकारी दी है। इस बीच सीरिया में सरकार की सलाह के लिए नियुक्त ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर सईद अबयार की हत्या हो गई है।

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से हराया

गुयाना । फजलहक फारूकी के पांच विकेटों की मदद से अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से हराकर टी20 विश्व कप में बड़ी जीत दर्ज की। यह पुरुष टी20 विश्व कप में किसी टीम की चौथी सबसे बड़ी जीत है। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रहमानुल्लाह गुरबाज के 76 रन और इब्राहिम जादरान के 70 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में युगांडा की पूरी टीम 16 ओवर में 58 रन पर ढेर हो गई। रियाजत अली शाह और रॉबिंसन ओबुया के अलावा युगांडा का अन्य कोई बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सका। युगांडा के लिए रॉबिंसन ने सर्वाधिक 14 रन बनाए। फारूकी के अलावा नवीन उल हक और कप्तान राशिद खान ने दो-दो विकेट झटके।

युगांडा का विश्व कप में यह पहला ही मैच था और टीम प्रभावित करने में पूरी तरह नाकाम रही। युगांडा ने पुरुष टी20 विश्व कप का चौथा न्यूनतम स्कोर बनाया। नीदरलैंड के नाम इस वैश्विक टूर्नामेंट में सबसे कम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी युगांडा की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पहले ही ओवर में दो विकेट गंवा दिए। युगांडा की टीम अंत तक इन झटकों से उबर नहीं सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

अफगानिस्तान के लिए फजल हक फारूकी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके। इसी के साथ फजलहक अफगानिस्तान के लिए टी20 में किसी मैच में पांच विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बन गए। उनसे पहले राशिद खान, करीम जनत, समिउल्लाह शिनवारी और मुजीब उर रहमान ऐसा कर चुके है। फारूकी का यह प्रदर्शन अफगानिस्तान के लिए टी20 में किसी गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। फारूकी ने अपनी स्पैल में सिर्फ नौ रन दिए।

इससे पहले, युगांडा ने टॉस जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। अफगानिस्तान के लिए जादरान और गुरबाज की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 154 रनों की साझेदारी कर अफगानिस्तान को मजबूत शुरुआत दिलाई।

इन दोनों बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के दम पर ही अफगानिस्तान बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। जादरान और गुरबाज ने तूफानी बल्लेबाजी की और दोनों ने अर्धशतक जड़े। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप में शतकीय साझेदारी की।

टी20 विश्व में श्रीलंका के साथ हो रहा भेदभाव ?

नई दिल्ली। श्रीलंका ने आईसीसी टी20 विश्व में अपना पहला मुकाबला साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला। इस मैच में श्रीलंका का बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह फ्लॉप साबित हुआ है। साउथ अफ्रीका के सामने श्रीलंका पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 77 के स्कोर पर ढेर हो गया। यह लक्ष्य साउथ अफ्रीका के लिए बेहद आसान था, जिसे अफ्रीका ने सिर्फ 16.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस मैच के बाद श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी ने इस हार का कारण बताते हुए आईसीसी से नाराजगी जताई और बड़ा आरोप भी लगा दिया है। उन्होंने इशारों-इशारों में श्रीलंका के साथ भेदभाव होने का आरोप लगाया है।

आईसीसी पर लगाया बड़ा आरोप!

श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज महेश थीक्षाना ने टी20 विश्व कप के कार्यक्रम को लेकर आईसीसी से कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इशारों कहा है कि श्रीलंका टीम के साथ विश्व कप के कार्यक्रम में भेदभाव किया जा रहा है। खिलाड़ी ने कहा कि हमें होटल से लेकर मैदान तक आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमें अपने चार ग्रुप स्टेज मैच चार अलग-अलग वेन्यू पर खेलना है।

श्रीलंका के अलावा सिर्फ नीदरलैंड ही है, जिसे चारों लीग मैच अलग-अलग वेन्यू पर खेलना है। एक स्थान पर मैच नहीं होने से खिलाड़ियों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। हमें वेन्यू पर पहुंचने के लिए एयरपोर्ट पर 8 घंटे का इंतजार करना पड़ा है। इससे हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ रहा है।

बारिश के चलते इंग्लैंड-स्कॉटलैंड मैच नो-रिजल्ट-बारबडोस में टॉस के बाद 3 बार बारिश आई, टी-20 मैच 10-10 ओवर का हुआ और आखिरकार रद्द

बारबडोस। वर्ल्ड कप में इंग्लैंड-स्कॉटलैंड के बीच टी-20 मैच का नतीजा नहीं निकल पाया। बारिश के चलते मैच रद्द कर दिया गया। बारबडोस के कैनिंगटन ओवल मैदान में मंगलवार को स्कॉटलैंड ने टॉस जीता और बल्लेबाजी चुनी। बारिश के चलते यह मैच 10-10 ओवर का हो गया।

स्कॉटलैंड ने 10 ओवर में बिना विकेट खोए 90 रन बनाए। कप्तान जॉर्ज मुंसी 41 और ओपनर माइकल जोंस ने 45 रन बनाकर नाबाद लौटे।

डकवर्थ लुईस मैथेड लागू होने के चलते इंग्लैंड को 109 रन का टारगेट दिया गया। लेकिन बारिश आ गई और इंग्लैंड की टीम एक भी गेंद नहीं खेल पाई।

डीएलएस के बाद मैच 10-10 ओवर का हो गया। पावर प्ले 3 ओवर का रखा गया। 5 गेंदबाज 10 ओवर फेंक सकते थे और एक बॉलर की लिमिट 2 ओवर थी।

दोनों टीमें के बीच यह पहला टी-20 इंटरनेशनल मैच था, जो पूरा नहीं हुआ। इससे पहले दोनों के बीच सिर्फ 5 वनडे इंटरनेशनल खेले थे। इनमें से 3 इंग्लैंड जीता और एक स्कॉटलैंड। एक मैच नो-रिजल्ट रहा।

टॉस के बाद बारिश आ गई, जिसके चलते 8 बजे शुरू होने वाला मैच 8:45 बजे शुरू हुआ। पावर प्ले के बाद फिर बारिश आ गई है। जिसके चलते करीब 2 घंटे तक गेम रोका गया। बारिश रुकी तो मैच 10-10 ओवर का कर दिया गया। इसके बाद स्कॉटलैंड की पारी पूरी हुई। इसके तुरंत बाद फिर बारिश आ गई।

मैक्स ओडॉड की फिफ्टी से जीता नीदरलैंड-नेपाल को 6 विकेट से हराया; प्रिंगल और वान बीक को 3-3 विकेट

डलास। नीदरलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने नेपाल को 6 विकेट से हराया। मैक्स ओडॉड ने 19वें ओवर में अविनाश बोहरा की चौथी बॉल पर चौका जमाकर डच टीम को जीत दिलाई।

डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और नेपाल की टीम 19.2 ओवर में 106 रन पर ऑलआउट हो गई। 107 रन का टारगेट नीदरलैंड ने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैक्स ओडॉड ने 48 बॉल पर नाबाद 54 रन की पारी खेली। उन्होंने चार चौके और एक छक्का जमाया। विक्रमजीत ने 22 और साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट ने 14 रन का योगदान दिया। सोमपाल कामी, दीपेंद्र एरी और अविनाश बोहरा को एक-एक विकेट मिला।

नेपाल के लिए कप्तान रोहित पौडेल ने सबसे ज्यादा 35 रनों की पारी खेली, जबकि अनिल साहा ने 11 रन बनाए।डच टीम की ओर से टिम प्रिंगल और लोगन वान बीक ने 3-3 विकेट झटके। पॉल वैन मीकेरेन और बेस डी लीडे को 2-2 विकेट मिले। टिम प्रिंगल प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

107 रन का टारगेट चेज कर रही नीदरलैंड ने पावरप्ले में शानदार बल्लेबाजी की। टीम ने शुरुआती 6 ओवर्स में एक विकेट खोकर 36 रन बनाए। मैक्स ओडॉड और विक्रमजीत सिंह नाबाद रहे।

नेपाल ने आखिरी के 4 ओवर्स में 22 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। कप्तान रोहित पौडेल के आउट होते ही टीम ऑलआउट हो गई। पारी में टीम के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर सके।

पावरप्ले में खराब शुरुआत के बाद नेपाल की टीम मिडिल ओवर्स में भी बिखरती नजर आई। टीम ने बीच के 10 ओवर में 55 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए। 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर 84/7 रहा।

टॉस हारकर बल्लेबाजी कर रही नेपाल की शुरुआत खराब रही। टीम ने शुरुआती 6 ओवर्स में 29 रन बनाने में दो विकेट गंवा दिए। यहां टीम के ओपनर्स कुशल भुर्तेल 7 और आसिफ शेख 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

डलास में बारिश के कारण मैच शुरू होने में देरी हुई। यह मुकाबला करीब आधे घंटे की देरी से शुरू हुआ। यह दोनों टीमों के लिए टूर्नामेंट का पहला मैच है।

मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं क्लाउडिया शीनबाम

रॉयटर्स, मेक्सिको सिटी। जलवायु वैज्ञानिक क्लाउडिया शीनबाम ने मेक्सिको के चुनीवों में बड़ी जीत हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। क्लाउडिया शीनबाम ने इसी के साथ मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति बनने का गौरव हासिल कर लिया।

यही नहीं 61 साल की शीनबाम ने मेक्सिको के लोकतंत्र के इतिहास में सबसे अधिक वोट प्रतिशत जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। उन्हें 82 प्रतशत मतों की गिनती के बाद 58.8 फीसदी वोट मिले। शीनबाम इससे पहले मेक्सिको सिटी की मेयर रह चुकी हैं।

मेक्सिको के आम चुनाव में जीत हासिल करने के बाद क्लाउडिया शीनबाम ने जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा, ÷देश के गणतंत्र के 200 सालों के इतिहास में पहली बार मैं मैक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति बनूंगी। हमने एक विविधता भरे लोकतांत्रिक मैक्सिको को फतह किया है। हमें एक निष्पक्ष और समृद्ध मैक्सिको बनाने के लिए शांति और सद्भाव के साथ चलना होगा।÷

शीनबाम संयुक्त राष्ट्र जलवायु वैज्ञानिकों के उस पैनल का हिस्सा रह चुकी हैं, जिसे साल 2007 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। रविवार की रात को अपने विजय भाषण में शीनबाम ने वर्तमान राश्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर को धन्यवाद दिया और उन्हें एक असाधारण-अद्वितीय शख्स करार दिया। उन्होंने कहा कि लोपेज ने मेक्सिको की बेहतरी के लिए काम किया है।

चुनाव नतीजों से शेयर बाजार में भारी गिरावट

नई दिल्ली। आज यानी, 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजों के रुझानों के बीच सेंसेक्स करीब 4,389 पॉइंट्स की गिरावट के साथ 72,079 पर बंद हुआ है। जबकि निफ्टी में भी करीब 1379 पॉइंट से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है, ये आज 21,884 के स्तर पर बंद हुआ है। ताजा जानकारी के अनुसार शेयर बाजार में आई इस जबरदस्त गिरावट से इन्वेस्टर्स को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। BSE MCap के अनुसार अभी तक इन्वेस्टर्स को करीब 45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं इस जबरदस्त क्रैश पर बात करते हुए केडिया सिक्योरिटीज के एमडी विजय केडिया ने कहा कि कल बाजार रेव पार्टी मना रहा था आज उसका हैंगओवर देखने को मिला है।

इन शेयर्स में जबरदस्त गिरावट

जानकारी के अनुसार, BSE के 30 में से 29 शेयर्स में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। PowerGrid Share में 5.74 फीसदी की गिरवी आई है। वहीं Tata Steel शेयर 9.99 फीसदी नीचे आ गया है। NTPC शेयर में भी 19.68 फीसदी की गिरावट आई है। SBI शेयर में तो 16.76 परसेंट की गिरावट देखने को मिल रही है। Tata Motors Share 5 परसेंट, भारती एयरटेल 9.84 परसेंट फिसलकर कारोबार करता दिख रहा है। लेटेस्ट अपडेट के अनुसार NSE के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में जबरदस्त गिरावट देखने को मिल रही है। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 7 परसेंट से ज्यादा की गिरावट देखी गई है। इसके अलावा फाइनेंशियल सर्विसेस में 4त्न से ज्यादा और मेटल में 5त्न की गिरावट दर्ज की गई है। रियल्टी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स भी 3त्न से ज्यादा नीचे आ गया है।

दूसरी तरफ विदेशी संस्थागत निवेशक यानी FII और घरेलू संस्थागत इन्वेस्टर्स खरीदारी कर रहे हैं। NSE द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार 3 जून, 2024 को FIIs ने 6850.76 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। इसके अलावा DIIs ने 1913.98 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं।

सोमवार को मार्केट में ऐसा लग रहा था कि जैसे एग्जिट पोल के नतीजे मार्केट को ऊपर ले गए थे। 3 जून को एक दिन पहले सेंसेक्स 2,777 पॉइंट की तेजी के साथ 76,738 और निफ्टी 808 पॉइंट कि बढ़त के बाद 23,338 पर पहुंच गया था।

प्रथम पेज का शेष

राजग को लगातार तीसरी बार...

मुंबई क्षेत्र सहित राज्य के विभिन्न अंचलों में बेहतर प्रदर्शन किया है। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद हुए पहले चुनाव में राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती अपने अपने निर्वाचन क्षेत्र में हार गये हैं। लद्दाख सीट पर भाजपा को झटका लगा है। इन चुनावों में जेल से चुनाव लड़ने वाले दो निर्दलीय प्रत्याशियों ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की है। वारिस दे पंजाब के अमृतपाल सिंह ने पंजाब की खडूर साहिब सीट और जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से इंजीनियर रशीद ने जीत हासिल की है।

हरियाणा और पंजाब में परिणाम मिले जुले रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस और भाजपा पांच -पांच सीट ले रही हैं वहीं पंजाब में कांग्रेस ने सात सीट जीतकर सत्तारूढ आम आदमी पार्टी को झटका दिया है। झारखंड में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ सीटें जीती हैं जबकि सत्तारूढ झामुमो तीन और कांग्रेस दो सीटों पर जीत रही है। असम में भाजपा ने अपना 2019 का प्रदर्शन दोहराया है लेकिन हिंसा से प्रभावित मणिपुर में कांग्रेस दोनों सीटों पर जीतती नजर आ रही है। राजस्थान में भाजपा को 14 सीटें हांसिल हुई है जबकि कांग्रेस ने अपना प्रदर्शन सुधारते हुए 8 सीटों पर कब्जा किया है।

भारत के लोकतंत्र की जीत.....

इस प्यार अपनेपन को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। ये मेरे मन-मस्तिष्क के कोने-कोने में बसा है। देश की कोटि-कोटि माताओं-बहनों ने मुझे नई प्रेरणा दी है। राष्ट्र प्रथम की भावना हमें लक्ष्य हासिल करने का हौसला देती है। हमने दुनिया की सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजनाएं चलाईं। आजादी के 70 साल बाद 12 करोड़ लोगों को नल से जल मिला है। आजादी के 70 साल बाद चार करोड़ जनधन खाते खुले हैं। अनुच्छेद 70 हटा, बैंकिंग रिफॉर्म हुए, जीएसटी आई। आप याद करिए कोरोना का इतना बड़ा संकट आया, हमने हर दबाव से हटकर कदम उठाया और इसी का नतीजा है कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी इकोनॉमी है। राष्ट्र प्रथम की यही भावना भारत को आत्मनिर्भर बनाएगी। साथियों हमारे सामने एक महान संकल्प है। विकसित भारत का संकल्प। 10 साल के बाद लगातार तीसरी बार जनता-जनार्दन का प्यार, उनका आशीर्वाद हमारा हौसला बढ़ाता है। हमारे संकल्प को नई मजबूती, ऊर्जा देता है। हमारे विरोधी एकजुट होकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी इस लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा ने जीती हैं। तेलंगाना में हमारी संख्या दोगुना हो गई है- पीएम मोदी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा तेलंगाना में हमारी संख्या दोगुना हो गई है। मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल और ऐसे कई राज्यों में हमारी पार्टी ने लगभग क्लीन स्वीप किया है। मैं इन सभी राज्यों और अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के मतदाताओं का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं इन राज्यों की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि केंद्र सरकार आपके विकास के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

ओडिशा में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा इस बार चुनाव में कुछ और चीजें देखने को मिलीं। अरुणाचल हो या सिक्किम, आंध्रप्रदेश हो या ओडिशा, कांग्रेस को जमानत बचाना भी मुश्किल हो गया। ओडिशा में भाजपा सरकार बनाने जा रही है। लोकसभा चुनाव में भी ओडिशा ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। यह पहली बार होगा जब महाप्रभु जगन्नाथ की जमीन पर भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। पीढ़ियों से जिस क्षण का इंतजार किया, वह आज सफलता को चूमने लगी है।

ये लोकतंत्र की जीत है- पीएम मोदी- भाजपा मुख्यालय में पीएम मोदी ने कहा कि ये लोकतंत्र की जीत है। उन्होंने कहा हम सभी जनता जनार्दन के हम सभी ऋणी हैं। जनता ने भाजपा पर एनडीए पर पूर्ण विश्वास जताया है। आज की यह विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। यह भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ, सबका विकास की जीत है। इस मंत्र की जीत है। ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। मैं आज देश के चुनाव आयोग का भी अभिनंदन करुंगा। चुनाव आयोग ने दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव इतनी कुशलता के साथ संपन्न कराया है। करीब 100 करोड़ मतदाता, 11 लाख पोलिंग स्टेशन, 1.5 करोड़ मतदान कर्मी, 55 लाख वोटिंग मशीनों के साथ काम किया। भारत की चुनाव प्रक्रिया, चुनाव के पूरे सिस्टम पर हर भारतीय को गर्व है। मैं इन्फ्लुएंसर्स को कहूंगा, ओपनियन मेकर्स को कहूंगा कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की ताकत हैं। ये अपने आप में बहुत बड़ा गौरव का विषय है। इस चुनाव के, इस जनादेश के कई पहलू हैं। पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार वापस आई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग को ...

चावल योजना पर झूठ सहित विभिन्न विषयों पर झूठ बोला। छत्तीसगढ़ सहित देश की जनता ने कांग्रेस के झूठ पर भरोसा नहीं किया और भाजपा के पक्ष में अपना भरोसा दिखाया। ईडी गठबंधन द्वारा फैलाये गए तमाम दुष्प्रचार और झूठ के बावजूद राजग गठबंधन का बहुमत आना मोदी जी के प्रति जनता के अटूट भरोसे को दर्शाता है। इसके लिए मैं छत्तीसगढ़ सहित समूचे देश की जनता का आभार व्यक्त करता हूँ।

ओडिशा में भाजपा की बम्पर जीत पर सीएम साय ने कहा कि ओडिशा में भी सुशासन का सूर्योदय हुआ है। वहां सरकार बनने के साथ लोकसभा में भी अच्छी-खासी सीट मिली है। जिस तरह प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में सबने मेहनत की, मैंने, प्रदेश के नेताओं भी वहां रैलियां की, जिससे सबके प्रयासों से ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनी है और नवीन बाबू के नेतृत्व वाली 24 वर्षों से जमी बीजेडी सरकार को वहां की जनता ने नकार दिया। ओडिशा की जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया, इसके लिए वहां की जनता का आभार व्यक्त करते हैं। विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक के बाद एक ताबड़तोड़ रैलियाँ, रोड शो और इंटरव्यू करके भाजपा के पक्ष में एकतरफा माहौल बना दिया। प्रधानमंत्री ने बिना थके, बिना रुके 75 दिनों में अकेले 206 रैलियां की, 23 रोड शो किये और 82 इंटरव्यूज दिए। इंडी गठबंधन का कोई नेता उनके आसपास भी नहीं रहा। जिसका प्रतिफल है कि मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार राजग गठबंधन को बहुत मिला। श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि मोदीजी के नेतृत्व में भारत विकास और समृद्धि के आकाश पर होगा। यह परिणाम मोदीजी के 'विकसित भारत' के संकल्प को सिद्ध करने वाला होगा।

'एकजुट विरोधी भाजपा जितनी सीट ....

भारत के इतिहास में पहली बार लगातार तीसरी बार मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रहा है... आज ओडिशा में पहली बार मोदी जी के नेतृत्व में पहली बार भाजपा की सरकार बन रही है...लेकिन कुछ लोग 30-40 सीटें जीते है।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि कोई भी गठबंधन भारत के इतिहास में पहली बार लगातार तीसरी बार मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रहा है। आज ओडिशा में पहली बार मोदी जी के नेतृत्व में पहली बार भाजपा की सरकार बन रही है, लेकिन कुछ लोग 30-40 सीटें जीत लें तो धूम मचाने लग जाते हैं। वे भूल जाते हैं कि देश किस तरह मोदी जी के साथ खड़ा है।

मोदी-शाह से मुक्ति पाने का ...

श्री गांधी ने किशोरी लाल शर्मा को अमेठी सीट पर जीत हासिल करने के लिए बधाई दी और कहा कि वह अमेठी से बहुत नजदीकी से जुड़े रहे हैं और उसी का परिणाम आज उन्हें मिला। उत्तर प्रदेश के लोगों ने संविधान की रक्षा की है, इसके लिए राज्य के लोगों को बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि वह बाद में तय करेंगे कि रायबरेली और वायनाड सीटों में से किस सीट का संसद में प्रतिनिधित्व करेंगे।

फ्रोज़न फूड, बना सकती है अनहेल्दी

आजकल अधिकतर वर्किंग वुमन काम के चलते फोजन फूड का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन क्या इन्हें खाना हेल्दी होता है और अगर आप इन्हें खाते हैं तो कैसे स्टोर करना चाहिए आइए हम आपको बताते हैं.
फोजन फूड में खासकर ताजी सब्जियां और फलों को काटकर फीजर में स्टोर कर दिया जाता है और जब जरूरत होती है तो इसका इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन क्या फोजन फूड खाना हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है और अगर आप इन्हें स्टोर करते हैं तो आपको कैसे स्टोर करना चाहिए आइए हम आपको बताते हैं.
हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, मार्केट के फोजन फूड में प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं जो सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं. लेकिन अगर आप घर में ही कुछ फल और सब्जियों को काटकर फीजर में स्टोर करें, तो यह फायदेमंद भी हो सकता है और आपके समय की बचत भी कर सकता है. एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सब्जियों को फीज करने के बाद भी इसमें कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स बरकरार रहते हैं. बस ध्यान रखें कि सब्जियों को फीज करते समय इन चीजों का ध्यान रखें-
अगर आप घर पर फोजन फूड को फीज कर रहे हैं, तो सब्जी और फलों को अच्छी तरह से धोकर काटकर उसे गर्म पानी में नमक डालकर स्टीम दें, उसके बाद सुखाकर जिपलॉक बैग में स्टोर करें.
फोजन फूड को स्टोर करने के लिए आपके फीजर का टेंपरेचर जीरो डिग्री फारेनहाइट या माइनस 18 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होना चाहिए, इस टेंपरेचर पर सब्जियां और फल खराब नहीं होते है और उनमें बैक्टीरिया नहीं पनपते हैं.
जब आप फोजन वेजिटेबल या फूट्स का इस्तेमाल करें, तो सबसे पहले उन्हें अच्छी तरीके से डिफास्ट कर लें और जब यह नार्मल टेंपरेचर पर आ जाए तो पानी से धोकर इन्हें यूज करें.
एक बार में उतना ही फोजन फूड डिफास्ट करें, जितनी आपको जरूरत हो. बार-बार फोजन फूड को पिघला कर दोबारा जमाने पर यह खराब हो सकता है और आपकी सेहत पर भी बुरा असर डाल सकता है.
फोजन फूड का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें कि इन सब्जियों या फलों को हमें ज्यादा नहीं पकाना चाहिए, क्योंकि यह पहले से ही हल्के पके हुए रहते हैं इसलिए इन्हें कुछ ही देर के लिए पका कर खाना चाहिए.

प्लास्टिक की बोतल में पानी क्यों खतरनाक?

रिसर्च में शोधकर्ताओं को प्लास्टिक की बोतल में मौजूद एक लीटर पानी में ही 100,000 से ज्यादा नैनोप्लास्टिक मिले हैं.ये इतने छोटे कण होते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन,सेल्स और दिमाग तक में पहुंच सकते हैं हैं. घर से लेकर ऑफिस और सफर तक आज बोतलबंद पानी हमारी लाइफ का अहम हिस्सा हो गया है. हम बेफिक्र होकर इसका इस्तेमाल कर रहे हैं. अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं तो इसका मतलब अपनी बॉडी में %जहर% भर रहे हैं.
प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज नाम की संस्थान ने एक स्टडी में डराने वाला खुलासा किया है. जिसमें बताया गया है कि एक लीटर बोतलबंद पानी में करीब 2.40 लाख प्लास्टिक के महीन टुकड़े मौजूद होते हैं.जिसकी वजह से सेहत को गंभीर और जानलेवा खतरे हो सकते हैं. हालिया रिसर्च में शोधकर्ताओं को प्लास्टिक की बोतल में मौजूद एक लीटर पी में ही 100,000 से ज्यादा नैनोप्लास्टिक मिले हैं. ये इतने छोटे कण होते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन, कोशिकाओं और दिमाग तक में पहुंच सकते हैं और कई खतरे बढ़ा सकते हैं. ऐसे में सावधान रहने की जरूरत है. प्लास्टिक की बोतल में पानी क्यों खतरनाक एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्लास्टिक की बोतल के पानी में बिस्फेनॉल-ए (क्रक्त्र) और फेथलेट्स जैसे केमिकल्स घुल जाते हैं. जब बोतल का पानी धूप या गर्मी के संपर्क में आता है तो ये केमिकल्स पानी में घुल जाते हैं और शरीर के अंदर पहुंचकर नुकसान पहुंचाते हैं. इसके अलावा प्लास्टिक कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन और क्लोराइड से बनता है, जिसे बीपीए प्लास्टिक की पानी की बोतल बनाने में इस्तेमाल किया जाता है. प्लास्टिक बोतल में पानी पीने से क्या खतरें डायबिटीज और दिल को खतरा हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की रिसर्च के अनुसार, पॉली कार्बोनेट की बोतलों के पानी में बिस्फेनॉल ए केमिकल होता है, जो जब शरीर में जाता है तो दिल की बीमारियों और डायबिटीज का खतरा कई गुना तक बढ़ा सकता है. प्रजनन क्षमता प्रभावित प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से उसमें मौजूद बीपीए और फैथलेट्स केमिकल प्रजनन क्षमता तक को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है. इस पानी को पीने से हार्मोनल संतुलन भी बिगड़ सकता है. इसकी वजह से बांझपन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं. कैंसर का खतरा एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से कई तरह के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है. इससे ब्रेस्ट और ब्रेन कैंसर हो सकता है. प्लास्टिक की पॉलिथीन में रखी गर्म चीज खाने या पीने से कैंसर का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ सकता है. इस पानी को पीने से ल्यूकेमिया और लिंफोमा जैसी बीमारियों का भी खतरा रहता है.

ज्यादा देर तक भूखे रहने से हो सकते है बीमारियों के शिकार

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक दिन में 8 घंटे के गैप पर खाते हैं तो दिल का दौरा पड़ने का खतरा काफी ज्यादा रहता है. हार्ट अटैक का खतरा दो गुना बढ़ जाता है. गर्मी में ज्यादा देर तक भूखे रहने के कारण हीट स्ट्रोक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ता है. अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक दिन में 8 घंटे के गैप पर खाते हैं तो दिल का दौरा पड़ने का खतरा काफी ज्यादा रहता है. हार्ट अटैक का खतरा दो गुना बढ़ जाता है. गर्मियों में ज्यादा देर तक भूखे रहने के पेट में बैक्टीरिया काफी तेजी से बढ़ जाता है. इसके फूड पॉइजनिंग और पाचन से जुड़ी समस्याओं का खतरा काफी ज्यादा रहता है. गर्मी में बैक्टीरिया और वायरस काफी ज्यादा बढ़ने लगते हैं. यह पाचन तंत्र को काफी ज्यादा प्रभावित करती है. इन दिनों दिल्ली-नोएडा में भीषण गर्मी पड़ रही है. दरअसल, पूरे उत्तर भारत में हीट वेव से लोगों का हाल बेहाल है. इस गर्मी में ज्यादा दूर तक भूख रहना हेल्थ के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी होने लगती है. इसलिए थोड़े-थोड़े घंटे के गैप पर खाते और पीते रहें. इससे आपकी शरीर में एनर्जी बनी रहेगी. शरीर में पानी कमी के कारण किडनी-लिवर डैमेज होने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. इससे किडनी में स्टोन की शिकायत होती है. हीट वेव के कारण यह स्टोन का साइज बढ़ सकता है. बढ़ सकती है दिल और फेफड़ा की बीमारी बॉडी का टेंपरेचर बढ़ने पर शरीर में ब्लड पंप करने पर दिल पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है. यही कारण है कि दिल पर बुरा असर पड़ता है. हीट वेव के कारण अस्थमा अटैक का खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ जाता है. हीट वेव बढ़ने के कारण हवा की क्वालिटी खराब होती है तो इसका सीधा असर फेफड़ों पर पड़ता है. गर्मी का बुरा असर पेट और पाचन पर भी पड़ता है. गर्मी के कारण पेट गर्म होता है. ऐसी स्थिति में डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए.

क्या आपके बच्चे भी करते हैं चाय-कॉफी पीने की जिद

भारत में ज्यादातर लोग अपने दिन की शुरुआत चाय पीकर करते हैं। चाय के बिना सुबह की कल्पना कर पाना लोगों के लिए मुश्किल होता है। कुछ लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें सुबह उठते ही बेड पर चाय चाहिए होती है।लेकिन आजकल हालात ऐसे हैं कि बड़े तो बड़े आजकल छोटे-छोटे बच्चों को भी चाय पीने की आदत लग गई है। उन्हें भी ब ों की तरह दो से तीन टाइम चाय चाहिए होती है। ऐसे में अगर आपका बच्चा भी चाय पीने की जिद करता है और आप उसकी यह जिद पूरी कर देते हैं तो यह जान लीजिए कि आप अपने बच्चे की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।दरअसल चाय हो या कॉफी, इन ड्रिंक्स में कैफीन और शुगर काफी मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।कैफीन और शुगर ये दोनों ही चीजें स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं।इसका असर न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा, बल्कि बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य भी बुरी तरह से प्रभावित होगा चलिए जानते हैं बच्चों को चाय या कॉफी पिलाने से क्या नुकसान होते हैं और कितने साल के बाद बच्चों को इसका सेवन करने देना चाहिए।
12 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं पिलानी चाहिए चाय
चाय और कॉफी में टैनिन नाम के कंपाउंड होते हैं जो की बच्चों के शरीर में कैल्शियम और आयरन को अवशोषित करने से रोकता है।यही कारण है कि बच्चों में खून की कमी हो जाती है।हड्डियां कमजोर होने लगती है।वक्त से पहले जोड़ों में दर्द शुरू हो जाता है।डाक्टर्स का मानना है कि कैफीन वाली मीठी चीजों का सेवन करने से बच्चों के दांतों में सड़न की समस्या पैदा हो सकती है अर्थात कैविटी हो सकती है।सिर्फ इतना ही नहीं, इनका ज्यादा सेवन करने से ज्यादा बार-बार पेशाब जाने की दिक्कत हो सकती है।
12-18 एज ग्रुप के लोगों को रोजाना 100 मिलीग्राम से ज्यादा कैफीन नहीं लेना चाहिए। अगर आपने बच्चों को ज्यादा मात्रा में चाय या कॉफी देना जारी रखा तो उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं घेर सकती हैं।उनकी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। नींद की कमी हो सकती है।चिड़चिड़ापन, डायबिटीज, डिहाइड्रेशन और कैविटी की प्रॉब्लम हो सकती है.

साइकिलिंग से हृदय रहता है स्वस्थ

अच्छी सेहत के लिए नियमित रूप से शारीरिक अभ्यास को सबसे आवश्यक माना जाता है। जरूरी नहीं है कि आप इसके लिए रोज जिम जाएं और भारी अभ्यास करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ आसान से और हल्के स्तर के अभ्यास को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर आप शरीर को स्वस्थ और फिट रख सकते हैं। साइकिल चलाना ऐसा ही एक आसान अभ्यास है जिससे संपूर्ण स्वास्थ्य को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से साइकिल चलाते हैं या फिर जिम सेंटर में इस तरह की गतिविधियां करते हैं उन्हें दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 3 जून को विश्व साइकिल दिवस के रूप में घोषित किया। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस एक अभ्यास के कई लाभ हो सकते हैं। शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए इसके फायदे देखे गए हैं। आइए जानते हैं कि साइकिल चलाने के अभ्यास का संपूर्ण स्वास्थ्य पर किस प्रकार से असर होता है?
अध्ययनों से पता चलता है साइकिलिंग की आदत हृदय को स्वस्थ रखने में काफी मददगार है। ये कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने से लेकर ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने तक के लिए फायदेमंद अभ्यास है। 300 अध्ययनों की एक समीक्षा के अनुसार साइकिलिंग करने से कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। यह एचडीएल (अच्छा) कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में भी मददगार है। गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर ठीक रहने और बैड कोलेस्ट्रॉल कम होने से हृदय स्वास्थ्य ठीक रहता है। स्ट्रोक और हार्ट अटैक को वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारकों में से एक माना जाता है। शोध से पता चलता है कि नियमित साइकिल चलाने से मधुमेह, इसके कारण होने वाली जटिलताओं और मृत्यु का खतरा 24 फीसदी तक कम हो सकता है। वहीं अगर आप कम से कम 5 साल तक इस अभ्यास को जारी रखते हैं तो मधुमेह रोगियों में हृदय की बीमारी, ब्लड प्रेशर सहित अन्य समस्याओं के कारण मृत्युदर में 35त्न तक की कमी आ सकती है। नियमित शारीरिक गतिविधियों की मदद से वजन को कंट्रोल रखना आसान हो सकता है। साइकिलिंग करना भी इसमें आपके लिए फायदेमंद है। साइकिल चलाने से पूरे शरीर की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं और कैलोरी बर्न भी अधिक होता है। शरीर से अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए नियमित रूप से साइकिल चलाने के अभ्यास से लाभ पाया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि साइकिल चलाने से तनाव, अवसाद या चिंता की भावनाएं कम हो सकती हैं। साइकिल चलाते समय ध्यान केंद्रित करने से आपकी एकाग्रता भी बढ़ती है और इसके मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। मस्तिष्क की जागरूकता बढ़ाने और तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए भी विशेषज्ञों ने इस अभ्यास का फायदेमंद पाया है।

ताबे के बर्तन में पानी पीने के फायदे

सदियों से लोग तांबे की बोतल में पानी पीते आ रहे हैं, ऐसा करने से उनकी सेहत काफी स्वस्थ रहती है और उन्हें किसी प्रकार की कोई बीमारी भी नहीं होती है. तांबे की बोतल में पानी पीने से लोगों की सेहत में काफी सुधार आता है. ऐसा करने से बीमारियां दूर रहती है. सदियों से लोग तांबे की बोतल में पानी पीते आ रहे हैं. ऐसा करने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं. तांबा पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है और गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से राहत दिलाता है. तांबे की बोतल में पानी पीने से दिल से जुड़ी बीमारियां दूर रहती है और स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है. तांबे की बोतल में अगर आप रोजाना पानी पीते हैं, तो इससे त्वचा और बाल दोनों ही स्वस्थ रहते हैं.
तांबा चयापचय को बढ़ावा देता है, जिससे शरीर से कैलोरी बर्न होती है और मोटापा कम होता है. तांबे की बोतल से रोजाना पानी पीने पर जोड़ों के दर्द और सूजन से राहत मिलती है.

लगातार हंसना भी सेहत के लिए खतरनाक

सेहतमंद रहने के लिए जरूरी है कि आप खुश रहें और हंसे। हंसने से बॉडी पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। इसके अलावा कुछ गंभीर बीमारियों के होने का खतरा भी कम हो जाता है। लेकिन कुछ हंसी ऐसी भी होती हैं, जिनसे शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक व्यक्ति टेलीविजन पर कॉमेडी शो देखकर हंस रहा था। वो अपनी हंसी को काबू नहीं कर पाया और अचानक से बेहोश हो गया। जब उसने डॉक्टर को दिखाया, तो पता चला कि उसे सिंकोप नामक बीमारी हुई थी। चलिए विस्तार से जानते हैं सिंकोप बीमारी के बारे में।
सिंकोप की समस्या क्या होती है?
जब व्यक्ति अचानक से बेहोश हो जाता है, तो उस बीमारी को सिंकोप कहा जाता है। ऐसे में मरीज कुछ क्षणों के लिए बेहोशी की हालात में चला जाता है। कुछ क्षण तक वो अपने हाथ-पैर भी नहीं हिला पाता है। सिंकोप की समस्या कभी भी किसी को भी हो सकती है, जिसके आने से पहले कोई चेतावनी संकेत नहीं मिलते हैं।
दरअसल, जब व्यक्ति ज्यादा हंसता है, तो इससे शरीर में खून में भारी गिरावट आती है, जिससे बेहोश हो सकते हैं। ऐसे में नर्वस सिस्टम ट्रिगर होता है, जिससे दिमाग में बह्ने वाले खून की मात्रा में गिरावट आ जाती है।
सिंकोप से कैसे बचें?
अगर आपको भी सिंकोप की समस्या होती है, तो ऐसे में आपको लंबे समय तक हंसने से बचना चाहिए। इसके अलावा लंबे समय तक खड़े रहना और अत्यधिक शारीरिक परिश्रम भी नहीं करना चाहिए। खासतौर पर गर्मी में अपने शरीर को हाइड्रेट रखें। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। वहीं अगर आपको चक्कर आए या बेहोशी जैसा महसूस हो, तो तुरंत लेट जाए। लेकिन आपको अगर ये समस्या बार-बार हो रही है, तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं, नहीं तो अस्थमा की भी समस्या हो सकती है।

संतोष पांडे ने कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल को 44411 मतों से दी मात

भाजपा के संतोष पांडे के विजयी होने से शहर में फूटने लगे पटाके... कार्यकर्ताओं में रहा जश्न का माहौल

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव लोक सभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय ने जीत दर्ज की। भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय को 7,12,057 वोट मिले। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल को 6,67,646 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय ने 44,411 वोटों से जीत हासिल की है।

देश के सम्पन्न हुए 18 वीं लोकसभा चुनाव का मंगलवार 4 जून को अविभाजित राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में मतगणना हुई। शहर के बसंतपुर मंडी समीप स्टेट वेयर हाउस कारपोरेशन कैम्पस में हुई मतगणना के प्रथम राउण्ड में जिले के पूर्व सांसद व वर्तमान भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व सीएम भूपेश बघेल से पिछड़ते नजर आए। उसके बाद तीसरे-चौथे राउण्ड में भाजपा प्रत्याशी श्री पांडे ने कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल पर ऐसी बढ़त बनाई जो आगे के राउण्ड तक बनी रही।

उसे बराबर लीड मिलते रहा। इधर भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को लीड मिलते देख व जीत के कगार पर पहुंचते देखकर भाजपाईयों में उत्साह छाने लगा और कार्यकर्ताओं में जश्न जैसा माहौल उपस्थित हो गया। शहर में समाचार पहुंचते ही भाजपाईयों ने जगह-जगह दनादन फटाके फोड़े व हर्ष व्यक्त करते हुए एक दूसरे को बधाई देने लगे। भाजपा पार्षद विजय राय, शरद सिन्हा, गप्पू सोनकर, शिव वर्मा, पारस वर्मा व अन्य पार्षद व भाजपा नेता और कार्यकर्ता अपने-अपने वार्डों व क्षेत्रों में फटाके फोड़कर जश्न मनाने लगे। भाजपा जिला कार्यालय में प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा व पूर्व सांसद अभिषेक सिंह की उपस्थिति होने पर कार्यकर्ताओं का उत्साह और भी बढ़ गया व भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को चुनाव में मिल रही लीड को देखते हुए भाजपा कार्यालय के पास दनादन फटाके फोड़े जाने लगे। इस दौरान भाजपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं में भाजपा को मिल रही जीत की खुशी में उल्लास देखते ही बन रहा था।

मंगलवार 4 जून को राजनांदगांव जिले सहित खैरागढ़ मानपुर-मोहला व कवर्धा जिले में हुई मतगणना में भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे का कवर्धा जिले के पंडरिया वि.स. में 106906 मत मिले वही कांग्रेस प्रत्याशी को 110314 मत मिले जिसमें श्री बघेल ने श्री पांडे को 3406 मतों से पीछे छोड़ा, वही कवर्धा वि.स. में संतोष पांडे को 125803 मत मिले व श्री बघेल को 115396 मतों की प्राप्ति हुई जिसमें 10407 मतों से श्री पांडे ने भूपेश बघेल को पीछे छोड़ा।

इसी तरह खैरागढ़ वि.स. में श्री पांडे को 85716 मत मिले वही भूपेश बघेल को 79737 मत की प्राप्ति हुई जिसमें श्री पांडे ने श्री बघेल को 5359 मतों से पीछे छोड़ा।

डोंगरगढ़ वि.स. में श्री पांडे को 85961 मत मिले वही भूपेश बघेल को 75003 मत की प्राप्ति हुई। इसके भी श्री पांडे ने बघेल को 10958 मतों से पीछे किया। इसी तरह राजनांदगांव वि.स. में संतोष पांडे को 108657 मिले व भूपेश बघेल को 50991 मतों की प्राप्ति हुई। इसमें भी श्री पांडे ने भूपेश बघेल को 57446 मतों से पीछे छोड़ा।

डोंगरगढ़ वि.स. में जहां संतोष पांडे को 89119 मत मिले वही भूपेश बघेल को 72081 मत की प्राप्ति हुई। इसमें भी श्री पांडे ने भूपेश बघेल को 17038 मतों से पीछे किया।

खुज्जी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे को 67475 मत मिले, वही भूपेश बघेल को 82394 मत की प्राप्ति हुई। जिसमें श्री बघेल ने खुज्जी से भाजपा प्रत्याशी श्री पांडे को 14919 मतों से पीछे किया था वही मानपुर-मोहला क्षेत्र से श्री पांडे को 41800 मत व श्री बघेल को 81140 मत मिले थे। जिसमें श्री पांडे ने 39340 मतों से भूपेश बघेल को पीछे छोड़ा। आठों विधानसभा में जहां श्री पांडे को कुल 711439 मत मिले, वही कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल को कुल 667078 मतों की प्राप्ति हुई जिसमें श्री पांडे ने भूपेश बघेल को 44411 मतों से हराकर जीत का परचम लहराया था।

पिछले चुनाव के परिणाम

राजनांदगांव लोकसभा सीट में हुए पिछले पांच चुनावों में बीजेपी ने यहां से जीत हासिल की है। हालांकि बीच में एक उपचुनाव हुआ जिसमें कांग्रेस को जीत मिली थी। 1999 में इसी सीट से डॉ. रमन सिंह जीते थे। 2004 में प्रदीप गांधी को जीत हासिल हुई थी, फिर 2007 के उपचुनाव में कांग्रेस के देवव्रत सिंह ने जीत दर्ज की थी। 2009 में मधुसूदन यादव यहां से सांसद बने। फिर 2014 में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के बेटे अभिषेक सिंह यहां से सांसद बने। 2019 में बीजेपी ने संतोष पांडे को मौका दिया और वह सांसद बने।

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव का निर्वाचन परिणाम

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर संजय अग्रवाल ने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव की चुनाव परिणाम की अंतिम घोषणा की और भाजपा के अभ्यर्थी संतोष पाण्डेय को विजयी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव से कुल 15 अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहे थे। जारी निर्वाचन परिणाम अनुसार बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी देवलाल सिन्हा (सोनवंशी) को 9 हजार 668 मत, इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी भूपेश बघेल को 6 लाख 67 हजार 646 मत, भाजपा के अभ्यर्थी संतोष पाण्डेय को 7 लाख 12 हजार 57 मत, शक्ति सेना (भारत देश) के अभ्यर्थी नारद प्रसाद निषाद को 8 हजार 30 मत, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के अभ्यर्थी रमेश राजपुत को 1 हजार 737 मत, न्याय धर्म सभा के अभ्यर्थी श्री रामफल पाटिल को 1 हजार 537 मत, हमर राज पार्टी के अभ्यर्थी श्रीमती ललिता कंवर को 2 हजार 149 मत, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी के अभ्यर्थी लाखन सिंह टंडन को 1 हजार 56 मत तथा निर्दलीय अभ्यर्थी अजय पाली को 1 हजार 114 मत, त्रिवेणी पडोती को 1 हजार 613 मत, इंजि. बसंत कुमार मेश्राम को 1 हजार 820 मत, भुवन साहू को 4 हजार 174 मत, विशेष धमगाये को 4 हजार 873 मत, ए.एच सिद्दीकी को 10 हजार 737 मत, सुखदेव सिन्हा को 8 हजार 1 मत मिले।

सांसद संतोष पांडे ने जीत के लिए जनता-जर्नादन का जताया आभार

राजनांदगांव (दावा)। अविभाजित राजनांदगांव जिले से 18 वीं लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे ने चुनाव में मिली अच्छी लीड व जीत के लिए यहां की जनता-जनांदन का आभार जताया व इसका श्रेय यहां की जनता-जनार्दन को देते हुए उन्हें नमन व प्रणाम करता हूं कहा।

बता दे कि श्री पांडे को राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव में अच्छी लीड मिली है। इससे प्रसन्न श्री पांडे ने यहां के मतदाताओं सहित यहां के देवतुल्य कार्यकर्ताओं व वरिष्ठ नेताओं को श्रेय देते हुए कहा कि इन लोगों ने जो अपने परिश्रम की पराकाष्ठा किए है और हमारे राष्ट्रीय व प्रदेश तथा जिले के नेतृत्व का आशीर्वाद व स्नेह मिला व कैम्पेनिंग किए है, उसका भी मै तहेदिल से आभारी हूं। श्री पांडे ने साथ ही साथ देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को

- राजनांदगांव विस क्षेत्र से श्री पांडे को मिली अच्छी लीड
- जीत की खुशी में झूमे भाजपाई

जिसने जो ऐतिहासिक कार्य इस देश व राष्ट्र के लिए किए है। इसके लिए भी हृदय से आभार जताते हुए कहा कि जो आम जनता के मन में था कि मोदी जी को वोट देना है और यह वास्तविक रूप से मोदी जी का करिश्मा है कि भाजपा को अच्छी लीड मिली जो जीत का मार्ग प्रशस्त करने वाला साबित हुआ।

श्री पांडे ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें मंत्री मंडल में लिए जाने या नहीं लिए जाने का काम वही लोग करेंगे, जिन्होंने उन्हें भाजपा का प्रत्याशी बनाया और लड़वाया है। आगे की चिंता वही करेंगे। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिए आगे से रोड मेप बनाकर रखने की बात कही। साथ ही कहा कि मोदी जी का देश के लिए राष्ट्र के लिए जो प्रतिबद्धता है आने वाले समय में दिखेगा। श्री पांडे जी द्वारा अपनी अच्छी लीड के लिए यहां की जनता जनार्दन का आभार जताते समय उनके साथ प्रदेश भाजपा महामंत्री भरत लाल वर्मा, किसान नेता बिशेसर दास साहू, हिरेन्द्र साहू आदि सहित बड़ी संख्या में भाजपाई मौजुद थे।

रॉयल किड्स कान्वेंट की छात्रा चंचल देवांगन ने नीट में किया टॉप

राजनांदगांव (दावा)। गुणवत्ता युक्त शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान रॉयल किड्स कान्वेंट की छात्रा चंचल देवांगन ने नीट में 688 अंक प्राप्त कर जिले में टॉप कर शाला शहर एवं माता-पिता का नाम रोशन किया।

चंचल, उदय राम देवांगन इनकम टैक्स इंस्पेक्टर एवं श्रीमती हेमलता देवांगन की सुपुत्री है। चंचल आरंभ से ही होनहार छात्रा रही है, शाला की अध्यक्षा डॉ. सविता जे.बी. सिंह ने चंचल की इस उपलब्धि से शाला के संस्थापक डॉ. जे.बी. सिंह सर के सपनों को साकार होते हुए बताया। ज्ञात हो पिछले वर्ष भी इसी तरह रॉयल किड्स कान्वेंट की छात्रा ने राजकुमार कॉलेज व सालेम स्कूल जैसे स्वनाम धन्य स्कूल को पीछे छोड़कर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

चंचल की इस सफलता पर शाला की अध्यक्षा श्रीमती डॉ. सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर एवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल,(सी.जी. बोर्ड) प्राचार्य गोपाल साहू, (सीबीएसई बोर्ड) प्राचार्य श्रीमती एकता खंडेलवाल, बरसर आई.के. वैष्णव एवं विज्ञान शिक्षक अभिषेक खंडेलवाल, श्रीमती ममता मिश्रा एवं राहुल गेडाम मौली सेबेस्तियन ने चंचल को ढेर सारी बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। ज्ञातव्य है कि आईसीएसई बोर्ड में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी स्वतः ही हो जाती है।

कवर्धा को मिले दो सांसद

राजनांदगांव (दावा)। कवर्धा का सौभाग्य कहा जाना चाहिए क्योंकि इस क्षेत्र को इस लोकसभा चुनाव में दो-दो सांसद मिले है। एक संसदीय क्षेत्र में केवल एक ही सांसद हो सकता है तो दो कैसे ? यह सोचनीय बात है। लेकिन 18 वीं लोकसभा में कवर्धा के निवासियों को इस बार सही में दो सांसद मिले है।

पहले सांसद संतोष पांडे है जो 17 वीं लोकसभा के सांसद रहे है, जिसे पार्टी ने इस बार 18 वीं लोकसभा के लिए पुनः भाजपा का टिकट दिया और पांडे ने पार्टी के विश्वास पर खरा उतरते हुए राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र को इस चुनाव में यहां की सीट भाजपा की झोली में डाल कर दिखाया। इस तरह राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र से संतोष पांडे दूसरी बार सांसद बने।

सांसद कृतिदेवी देव बर्मन

तो सज्जनों राजनांदगांव के 18 वीं लोकसभा वाले पहले सांसद संतोष पांडे को जान गए। लेकिन दूसरा सांसद और कौन है इसे नहीं जान पाए.... यह दूसरा सांसद श्रीमती कृति देवी देव बर्मन है। शायद यह नाम किसी ने पहली बार सुना हो। राजनांदगांव क्षेत्र वाले तो नहीं लेकिन कवर्धा क्षेत्र वाले इस नाम से भलिभांति

एक संतोष पांडे तो दूसरी रानी श्रीमती कृति देव बर्मन

परिचित है। यह कृति देव बर्मन कवर्धा के राजा योगेश्वर राज सिंह की धर्मपत्नी है। इसका मायका त्रिपुरा में है। श्रीमती कृति देव बर्मन भाजपा की टिकट से वहां चुनाव लड़ी और अपने निकटतम भाकपा प्रत्याशी को 4 लाख 79 हजार 685 मतों से पराजित कर भाजपा का परचम लहराई है।

चूंकि कवर्धा जिला (कबीरधाम) वर्तमान में राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इसलिए यह कहा जाना स्वाभाविक है कि कवर्धा की बहु श्रीमती कृति देवी देवबर्मन के सांसद बनने से और वह भी भाजपा पार्टी की सांसद होने से कवर्धा क्षेत्र को सांसद संतोष पांडे सहित श्रीमती कृति देवी बर्मन के रूप में दो-दो सांसद मिले।

किराये से देना है व बेचना है

गोकुल नगर, मुस्कान वाटिका में 3 BHK फ्लैट, 1st Floor में किराये से देना हैं एवं बेचना है।

-: संपर्क करें :-
8959242526
9131341166

छत्तीसगढ़ में भाजपा की शानदार जीत पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यकर्ताओं का जताया आभार

रायपुर (दावा)। लोकसभा चुनाव के परिणाम जारी होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भाजपा के पक्ष में परिणाम आने पर कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आज का ये दिन हमारे देश और प्रदेश के लिए ऐतिहासिक दिन है।

मतगणना जारी है और देश की जनता ने लगातार तीसरी बार एनडीए को अपना आशीर्वाद दिया है, जिसके लिए मैं सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन को कुल मिलाकर जितनी सीटें मिल रही है उससे ज्यादा अकेले भाजपा को मिली हैं और छत्तीसगढ़ में भी हम ऐतिहासिक जीत दर्ज कर रहे हैं।

श्री साय ने कहा कि 100 दिन में हमारी सरकार ने जो काम किया है उस पर छत्तीसगढ़ की जनता ने भरोसा जताया उसके लिए हम समस्त जनता को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। हमारे लाखों कार्यकर्ता भाई-बहनों ने जो मेहनत की है उसकी बदौलत ही हम इस बहुमत को प्राप्त कर सके हैं। इसके लिए उन्होंने सभी देवतुल्य कार्यकर्ता भाई-बहनों का आभार व्यक्त किया। सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हमारे सभी शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद हम सबको मिला, जिसके परिणामस्वरूप हम छत्तीसगढ़ की 11 में से 10 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में हम चुनाव लड़े और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश चुनाव प्रभारी नितिन नबीन सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में हमने इतनी बड़ी जीत दर्ज की उसके लिए उन्हें भी बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

विष्णु देव साय ने कहा कि विधानसभा में हमने 54 सीट पर जीत दर्ज कराई और लोकसभा में भी 11 में से 10 सीट जीत हम रहे हैं। जनता ने हमें जनादेश दिया है उस पर खरा उतरना है। मोदी की गारंटी जिस पर हम काफी काम कर चुके हैं उससे पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ना है।

बस्तर में आठ, रायपुर में 11 जून को पहुचेगा मानसून

रायपुर (दावा)। प्रदेश वासियों के लिए राहत भरी खबर है, इस वर्ष छत्तीसगढ़ में मानसून निर्धारित समय से पांच दिन पहले पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून इस वर्ष आठ जून तक बस्तर क्षेत्र में प्रवेश कर जाएगा।

अभी दक्षिण पश्चिम मानसून तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उसके आगे बढ़ने की रफ्तार यथावत रही तो 11 जून को मानसून रायपुर पहुंच जाएगा और 15 जून तक पूरे छत्तीसगढ़ में सक्रिय हो जाएगा।

इधर, रविवार को मौसम का मिजाज बदला और प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हुई। इससे अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। हवा में ठंडकता आने से तपिश से थोड़ी राहत मिली है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में थोड़ी और गिरावट आएगी। मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।

अगले चार से पांच दिनों में मानसून दक्षिण छत्तीसगढ़ तक पहुंच जाएगा। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर 1.5 किमी ऊंचाई तक फैला है। इसके प्रभाव से मंगलवार को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ चलने के साथ बिजली भी गिर सकती है। तापमान गिरा और गर्मी से मिली थोड़ी राहत सप्ताह के पहले दिन सोमवार को रायपुर सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में गिरावट आ गई। रायपुर का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री कम रहा। प्रदेश भर में मुंगेली सर्वाधिक गर्म रहा, वहां अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आज छाए रहेंगे बादल

हल्की वर्षा के आसार रायपुर सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में बुधवार को बादल छाए रहने के साथ ही हल्की बारिश के भी आसार हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में तो अंधड़ के साथ बिजली भी गिर सकती है। आने वाले कुछ दिन अभी मौसम का मिजाज ऐसा ही बने रहने की संभावना है।

भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल अपने ही रिकार्ड को तोड़कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की

दुर्ग (दावा)। दुर्ग लोकसभा चुनाव की मतगणना प्रक्रिया मंगलवार की सुबह 8 बजे जुनवानी स्थित शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज कैम्पस में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरु हुई। मतगणना के आए प्रारंभिक रुझानों में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल अजेय बढ़त अंतिम चरण तक बनाए रखा, उन्होंने 17 वे राउंड में 864480 वोट पाकर 4 लाख से ऊपर बढ़त बनाए हुए हैं। जबकि अभी 1 लाख 50 हजार मतो की गिनती बाकी हैं। मतगणना के इन रुझानों ने कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू को बड़ा झटका दिया है। जिससे भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल है, वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में फिर निराशा छा गई है। समाचार के लिखे जाने तक शाम की स्थिति तक 17 राउंड की मतगणना पूरी कर ली गई थी। कुल 22 चक्रों में मतगणना की जानी है।

भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने 2019 का पिछला लोकसभा चुनाव 3 लाख 92 हजार मतों के अंतर से जीता था। इस चुनाव में

हर राउंड में बनाते रहे अजेय बढ़त

भाजपा कार्यकर्ता उनके 6 लाख मतों से जीतने की उम्मीद लगा रखे हैं। मतगणना में विजय बघेल को मिल रहे भारी लीड से भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल है। भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल मतगणना के प्रथम राउंड से ही कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू पर अजेय बढ़त बनाए हुए है। शाम 6 बजे की स्थिति तक 17 राउंड की गिनती पूरी की जा चुकी थी। जिसके अनुसार भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को 8654480 मत मिले थे। कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र साहू ने 465125 वोट प्राप्त किए थे। कुल 1390742 मतों की गिनती पूर्ण हो चुकी थी। लगभग 1.50 लाख मतों की गिनती और की जानी है। इस स्थिति में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल 4 लाख से अधिक मतों से कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र साहू पर बढ़त बनाए हुए हैं।

इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र से सर्वाधिक लीड लिए हैं। वे दुर्ग शहर से 72 272 से जीते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में विधायक गजेन्द्र यादव ने 48 हजार मतों से बड़ी जीत दर्ज की थी। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विजय बघेल को 72 हजार से अधिक दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में लीड मिली। विजय बघेल दुर्ग संसदीय क्षेत्र के सभी 9 विधानसभाओं में सबसे ज्यादा दुर्ग शहर विधानसभा से लीड लिए हैं। दुर्ग लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल की लगातार दूसरी बार जीत पर दुर्ग तहसील केंटीन पर भाजपा के वरिष्ठ नेता कांशीनाथ शर्मा के नेतृत्व में मिठाई बाँटी गई एवं फटाके फोड़ कर खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर पंडित काशीनाथ शर्मा, हैप्पी सिंह भाटिया, मदन मंडावी, विनय जैन, आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com